



Madhuri Dixit Net Worth: A Look...

## SHARE

सेंसेक्स : 80,519.34  
निफ्टी : 24,502.15

## SARAFI

सोना : 6,930  
चांदी : 99.99

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

## BRIEF NEWS

## नीट मामले पर सीबीआई ने देरी से दिया हलफनामा

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने नीट मामले में सीबीआई के हलफनामे को स्वीकार कर लिया है। दरअसल, नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनजायम से जुड़े सभी स्टैंडबोर्डर्स से 10 जुलाई शाम 5 बजे तक रिपोर्ट मांगी थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई ने 11 जुलाई को कोर्ट में हलफनामा जमा किया था। रजिस्ट्री ने कहा था कि तय समय से देरी के बाद हलफनामा जमा करने को लेकर कोर्ट से चर्चा करें। हालांकि, बेंच के जस्टिस जे बी पारदीवाला ने कहा कि उन्होंने सीबीआई की रिपोर्ट जमा किए जाने की जानकारी ही। नीट मामले में गड़बड़ी को लेकर 38 याचिकाओं पर अगली सुनवाई अब 18 जुलाई को होगी। चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि कोर्ट के 8 जुलाई के निर्देश के जवाब में केंद्र और एनटीए ने अपने हलफनामे दायर कर दिए हैं। हालांकि, बेंच ने ये पाया है कि कुछ याचिकाकर्ताओं को अभी तक केंद्र और एनटीए के हलफनामे नहीं मिल पाए हैं।

## अस्पताल जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, छह की मौत

KOLKATA : पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक एंबुलेंस और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें से चार लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार दुर्घटना पांच नंबर राज्य राजमार्ग पर केशपुर के पास हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुकुवार देर रात दुर्घटना हुई है। इनमें से दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जो पास के अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं। एक घायल की पहचान हुई है, जिसका नाम अर्पणा बहान है। मृतकों में अर्पणा बहान की मां, अनीमा मल्लिक, उनके पति, श्यामापदा बाग, और उनके चाचा और चाची, श्यामल और चंदना भुनिया हैं। अर्पणा और श्यामापदा की शादी कुछ महीने पहले ही हुई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अर्पणा और एंबुलेंस चालक दोनों गंभीर स्थिति में हैं और चिकित्सकों द्वारा उनकी सघन निगरानी की जा रही है।

## फर्जी निकाह केस में इमरान खान रिहा

NEW DELHI : फर्जी निकाह केस में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस्लामाबाद कोर्ट ने शनिवार को रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि उन्हें फौरन छोड़ा जाए। इमरान खान एक साल से जेल में बंद थे। इस आदेश के बाद उनकी रिहाई हो सकी है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चेयरमैन गौहर खान ने इस फैसले को देश की जीत बताया है। इमरान 350 दिनों से रावलपिंडी की अदालत जेल में हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोषाखाना केस में दोषी करार दिया गया था। इसके बाद इस्लामाबाद के जमाना पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इसके बाद 30 जनवरी, 2024 को साइफर केस में 10 साल की सजा सुनाई गई थी।

## 7 राज्यों की 13 विस सीटों पर उपचुनाव में भाजपा को झटका

## AGENCY NEW DELHI :

शनिवार को मध्य प्रदेश और बिहार समेत 7 राज्यों की 13 सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव के नतीजे आ गए। सभी सीटों पर 10 जुलाई को वोटिंग हुई थी। इनमें से कांग्रेस ने 4, टीएमसी ने 4, भाजपा ने 2, आप, डीएमके और निर्दलीय ने 1-1 सीट जीत ली। इन 13 सीटों में भाजपा के पास 3 सीटें थीं, कांग्रेस के पास 2, टीएमसी के पास 1, जेडीयू 1, आप 1, डीएमके 1, बीएसपी 1 और निर्दलीय के पास 3 सीटें थीं। इस उपचुनाव में भाजपा 2, कांग्रेस 4, टीएमसी 4, जेडीयू 0, आप 1, डीएमके 1, बीएसपी 0 और निर्दलीय को एक सीट मिली है। यानी भाजपा को 1, उसकी सहयोगी जदयू को एक सीट का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को 2 और टीएमसी को 3 सीटों का फायदा हुआ है। हिमाचल में भाजपा में शामिल हुए 3 में से एक निर्दलीय ही चुनाव जीत पाए, दो हार गए। पंजाब में भी आप से आए कैडिडेट चुनाव हार गए।

## बीजेपी को 2 सीटों का नुकसान, कांग्रेस को 2 सीटों का फायदा, टीएमसी को 4 सीटें



6 एनडीए ब्लॉक में 13 में से 11 सीटों पर भाजपा और दो अन्य पर जदयू, पीएमके ने चुनाव लड़ा। इनमें भाजपा मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा और हिमाचल प्रदेश की हमीपुर और ही जीत पाई। जदयू बिहार की रुपौली और पीएमके तमिलनाडु की विक्रवडी सीट हार गई।

## राज्यवार जीत-हार की स्थिति

- मध्य प्रदेश (1 सीट): भाजपा ने कांग्रेस से प्रत्याशी के साथ सीट भी छीनी।
- बिहार (1 सीट): निर्दलीय शंकर सिंह ने जदयू को हराया, पिछली हार का बदला लिया
- पंजाब (1 सीट): भाजपा ने आप का कैडिडेट छीना, लेकिन सीट नहीं जीत पाई
- पश्चिम बंगाल (4 सीट): टीएमसी ने भाजपा से 3 सीटें छीनीं, पिछली बार 1 पर जीती थी।
- हिमाचल प्रदेश (3 सीट): भाजपा को सिर्फ 1 सीट, दो कांग्रेस के खाते में गई।
- उत्तराखंड (2 सीट): बद्रीनाथ में भाजपा की हार, कांग्रेस ने बसपा से एक सीट छीनी।
- तमिलनाडु (1 सीट): डीएमके ने अपनी जीती सीट देवारा जीत ली।

## मुंबई को 29000 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

## एनडीए सरकार तीन गुना तेजी से करेगी काम : PM

## AGENCY MUMBAI :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को प्रदर्शनी केन्द्र में आयोजित एक समारोह में 29,400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। लोगों को पीएम मोदी ने संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, लोग जानते हैं कि यह एनडीए सरकार ही है जो स्थिरता और स्थायित्व दे सकती है। तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैंने कहा था कि एनडीए सरकार तीन गुना तेजी से काम करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, महाराष्ट्र के पास गौरवशाली इतिहास है। महाराष्ट्र के पास सशक्त वर्तमान है। महाराष्ट्र के पास समृद्ध भविष्य का सपना है। महाराष्ट्र वो राज्य है, जिसकी विकसित भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका है। मुंबई पहुंचने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनका स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और

- मुंबई और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और होगी बेहतर
- अगले 25 वर्षों में भारत को विकसित बनाना चाहती है जनता
- महाराष्ट्र को दुनिया की बड़ी वित्तीय शक्ति बनाना मेरा लक्ष्य



परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

अजित पवार भी उपस्थित मंच पर पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज मुझे महाराष्ट्र और मुंबई के लिए 3 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के शिलान्यास और

## क्षेत्रीय भाषाओं में हो कानून की पढ़ाई : डीवाई चंद्रवूड

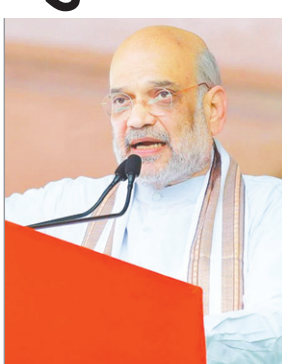
## LUKHNOW :

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रवूड ने शनिवार को लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में लॉ की पढ़ाई को क्षेत्रीय भाषा में करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करता हूँ कि कैसे कानून की पढ़ाई को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। अगर हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझा पा रहे हैं तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। डॉ. डीवाई चंद्रवूड ने कहा कि कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। आरएम एनएलयू को जरूर हिंदी में एलएबी कोर्स शुरू करना चाहिए।

## दिल्ली के उपराज्यपाल के समान संवैधानिक अधिकार देने का बना प्रावधान जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में हुआ संशोधन

## AGENCY NEW DELHI :

आने वाले समय में जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उसके पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन किया है। इस संशोधन के बाद जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को दिल्ली के उपराज्यपाल की तरह ही संवैधानिक अधिकार देने की बात की गई है। इस संशोधन के से उपराज्यपाल के पास पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा से जुड़े मामलों में अधिकार क्षेत्र और बढ़ गया है।



बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित

## रोजगार और कनेक्टिविटी बढ़ाना जरूरी : शाह

## NEW DELHI :

शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक में वाइब्रेट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सीमावर्ती गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इन सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकने

के लिए स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और गांवों के साथ संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती गांवों के आसपास तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीपीएफ) और सेना को सहकारी समितियों के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को प्रोत्साहित करना चाहिए।

बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित

के लिए स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और गांवों के साथ संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती गांवों के आसपास तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीपीएफ) और सेना को सहकारी समितियों के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को प्रोत्साहित करना चाहिए।

## राजभवन के एएसआई ने लगाया एलिंगेशन ओडिशा के गवर्नर रघुवर के बेटे पर मारपीट का आरोप

## AGENCY BHUBANESWAR :

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे ललित दास के खिलाफ गंभीर आरोप लगा है। ओडिशा राजभवन के सहायक अनुभाग अधिकारी (एसएसआई) बैकुंठ प्रधान ने दावा किया है कि सात जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की यात्रा के निरीक्षण के दौरान दास के बेटे ललित कुमार और उनके पांच साथियों ने उनके साथ मारपीट की थी। शनिवार को इस मुद्दे को लेकर राजभवन के बाहर प्रदर्शन हुआ। बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस समेत ओडिशा के विपक्षी दलों ने पुरी में राजभवन के एक

- पीड़ित बैकुंठ प्रधान ने राज्यपाल के प्रधान सचिव से की इसकी लिखित शिकायत

सहायक अनुभाग अधिकारी पर कथित हमला को लेकर राज्यपाल रघुवर दास के बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने बाद में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष याशिर नवाज ने कहा, राज्यपाल के बेटे ने अपने दोस्तों और निजी सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर एक अधिकारी पर हमला किया। छह दिन गुजर गए लेकिन कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी है।

## पेश किया सरकार बनाने का दावा, 12 की उम्र में राजनीति में उतरे, राम को नेपाल का बताया

## चीन समर्थक केपी ओली होंगे नेपाल के नए प्रधानमंत्री

## AGENCY NEW DELHI :

नेपाल में 12 जुलाई को पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड की सरकार गिरने के बाद केपी शर्मा ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। ओली ने नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा के साथ राष्ट्रपति को सरकार बनाने की अर्जी सौंपी है। उन्हें रविवार तक प्रधानमंत्री बना दिया जाएगा। उनका शपथ ग्रहण रविवार दोपहर तक हो जाएगा। ओली और देउबा के बीच हुई डील के मुताबिक दोनों अगले चुनाव तक बारी-बारी पीएम के पद पर बने रहेंगे। सरकार चलाने के लिए दोनों के बीच 7 पॉइंट्स का एग्रीमेंट बना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें एक



पॉइंट संविधान में बदलावों को लेकर भी है। 1952 में पूर्वी नेपाल में जन्मे ओली ने स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं की। चार साल की उम्र में उनकी मां की स्मॉलपोक्स बीमारी से मौत हो गई। उनकी परिवारश

उनकी दादी राम्या ने की। ओली का राजनीतिक जीवन 12 साल की उम्र में ही शुरू हो गया वे कम्युनिस्ट नेता रामशरण दहल को मदद से नेपाल के झापा चले गए थे। यहां वे झापा विद्रोह में शामिल

## घटनाक्रम में लगातार हुआ बदलाव

नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने शुकुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे। वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए। फ्लोर टेस्ट में उन्हें 275 में से सिर्फ 63 सांसदों का साथ मिला। नेपाल की नेशनल असेंबली के 194 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट किया। उन्हें सरकार बनाने के लिए 138

सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल ने प्रधानमंत्री प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद उनकी सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल के संविधान के आर्टिकल 100 (2) के तहत उन्हें एक महीने में बहुमत साबित करना था। वे ऐसा नहीं कर पाए।

महेंद्र ने भूमि अधिकारों में बदलाव किए। इसका प्रकसद छोटे किसानों को जो जमीन दिलाना था, जिस पर वे सालों से काम कर रहे थे। लेकिन उन पर बड़े जमींदारों का मालिकाना हक था।





## लघु कथा



यशा गौयल 'नानी'

## रेत पर क्रांतीगर्ची

'अनु, क्या यह सच है कि तुम्हारे पापा की किडनी पूरी तरह खराब हो चुकी थी और तुम्हारी माँ ने अपनी इच्छा से अपनी किडनी उन्हें दान की है? 'जी मैम...'

'परिवार की सारी जिम्मेदारी तुम्हारे ऊपर है डू घर-खर्च, डॉक्टर-दवाई-अस्पताल सब कैसे संभाल लेती हो? पगार भी कितनी कम है तुम्हारी... क्या तुम्हें डर नहीं लगा कि पापा को बचाने की ज़िद में यदि माँ को भी कुछ हो गया तो...' कुछ क्षण सन्नाटा छा जाता है फिर हंसकर वह कहती है,

'मैम, हमारे पास इतने पैसे नहीं थे कि किडनी खरीद सकते...माँ की किडनी मैच कर गई थी, तो यही ठीक लगा...'

'तुम्हें पता है कि कभी-कभी साल-छह महीने बाद भी किडनी रिजेक्ट हो जाती है? फिर पापा तो नहीं बचेंगे, माँ का जीवन भी खतरे में पड़ जाएगा...'

'पता है...'

अनु गंभीर हो गई... हरदम मुस्कुराने वाली लड़की एकदम संजीदा होकर बोली, 'मैम आप तो ऐसा मत कहिये... सबने मुझे डराया, उल्टी-सीधी बात बताकर निराश किया... केवल आपने ही तो हर मुश्किल घड़ी में मेरी मदद की है... आप भी...'

अनु की आंखें छलक गईं। मैं सोचने लगी कि, इतनी निष्ठुर मैं कैसे हो गई, वह भी अनु के प्रति, जो मेरे दिल के इतने करीब है... अपराध-बोध से बचने के लिए मैंने एकदम से कहा, 'नहीं...' नहीं... मेरा वो मतलब नहीं था। तुम्हारे जैसी बहादुर लड़की के साथ ईश्वर कोई अन्याय नहीं करेंगे। जो लोग विपरीत से विपरीत परिस्थिति में भी संतुलन बनाए रखते हैं, हार नहीं मानते, ईश्वर उनके साथ न्याय करते हैं... यह तो तुमने सुना ही होगा। अनु मैं आज भी तुम्हारे साथ हूँ। मेरी मदद की आवश्यकता हो तो निःसंकोच कहना।'

अनु का मनोबल लौट आया था... बोली, 'मैम आपने सुदर्शन पटनायक जी का नाम सुना है न... वही जो जगन्नाथधाम-पुरी उड़ीसा के हैं और रेत पर कारीगरी करते हैं... जिन्हें इन्डियन गवर्नमेंट ने 2014 में पद्मश्री से सम्मानित किया था।'

अनु सामान्य हो रही थी, उत्साहित भी... मैंने चिह्नक कर जबाब दिया, 'हाँ... सुना है, पर तुम क्या कहना चाहती हो?'

'मैम, रेत के महल को पानी की एक लहर बहा कर ले जाती है... क्षणभंगुरता का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता, फिर भी सुदर्शन जी ने हिम्मत नहीं हारी और आज उनकी बनाई रेत की कलाकृतियाँ लिम्का और गिनीज बुक में दर्ज हैं। मैं भी हार नहीं सकती मैम!'

'मैम! आज आपसे एक सिक्रेट और शेर्यर करना चाहती हूँ यह मेरे अंतर मन की बात है, हो सकता है ऐसी नौबत कभी न आए लेकिन यदि कभी मेरी माँ को कुछ हो गया तो मैं अपनी किडनी देने को तैयार हूँ क्योंकि मेरा और मेरी माँ का ब्लड ग्रुप एक ही है। लेकिन मैं हार नहीं मानूंगी... उसकी निर्भीकता और दृढ़ संकल्प पर मैं जितना आश्चर्यचकित थी, उससे ज्यादा मुझे उस पर गर्व हो रहा था।'

'और तुम्हारी अपनी जिंदगी, अपने सपने, शादी, बच्चे... वह भी कुछ सोचा है...।' नहीं मैम, मैं आज में रहती हूँ... मुझे मेरा आज संभालना है... कल की कल सोचूंगी और वह खिलखिलाकर हंस पड़ती है। अनु का मतलब मैं समझ चुकी थी। विषम से विषम परिस्थिति में भी हार न मानने वाले, रेत पर कारीगरी करने वाले अद्वितीय कलाकार एवं प्रेरणा के स्रोत, सुदर्शन को मैंने मन ही मन प्रणाम किया और अनु के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने लगी।

# विशाखापट्टनम : खूबसूरती व रोमांच का संगम

## पुणवकड़ की पाती

विशाखापट्टनम या विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में गिना जाता है, जिसकी वजह से इस जगह पर देश और दुनिया भर से सैलानी आते हैं। इस जगह के मौसम और पर्यटन स्थलों को एकसुन्दर बनाने और अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय व्यतीत करना पसंद करते हैं। यह राज्य की राजधानी भी है, जिसकी वजह से इस जगह पर बहुत सारी प्रशासनिक गतिविधियाँ भी चलती रहती हैं। यही वजह थी कि मेरे अंदर विशाखापट्टनम घूमने का विचार आया और हम तीन दिन की एक खूबसूरत यात्रा पर निकल पड़े। दिल्ली से विशाखापट्टनम पहुँचना काफी आसान है, लेकिन इसके लिए पहले से यात्रा की तैयारी बहुत ही जरूरी है।

विशाखापट्टनम पहुँचने के बाद हमारी यात्रा की शुरूआत कैलाशगिरी से हुई, जो विशाखापट्टनम की सबसे खास जगहों में आती है। यह एक बहुत ही खूबसूरत जगह है, जो अपनी पहाड़ी और भगवान शिव की वजह से जानी जाती है। इस जगह पर आकर आप एक अच्छे मौसम एंजॉय करने के साथ इस हिल स्टेशन का भरपूर मजा ले सकते हैं। यह पहाड़ लगभग 360 फीट की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ बहुत ही खुशनुमा हवाएँ चलती रहती हैं। इस जगह पर भगवान शिव और पार्वती की एक बहुत बड़ी मूर्ति है। यह मूर्ति दूर से ही अपने सैलानी इस जगह पर खिंचे चले आकर्षित करती है। यह पूरे देश में विशाखापट्टनम की एक सर्वश्रेष्ठ जगह के रूप में जानी जाती है। यदि आप विशाखापट्टनम आते हैं

विशाखापट्टनम पहुँचने के बाद हमारी यात्रा की शुरूआत कैलाशगिरी से हुई, जो विशाखापट्टनम की सबसे खास जगहों में आती है। यह एक बहुत ही खूबसूरत जगह है, जो अपनी पहाड़ी और भगवान शिव की वजह से जानी जाती है। इस जगह पर आकर आप एक अच्छे मौसम एंजॉय करने के साथ इस हिल स्टेशन का भरपूर मजा ले सकते हैं। यह पहाड़ लगभग 360 फीट की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ बहुत ही खुशनुमा हवाएँ चलती रहती हैं। इस जगह पर भगवान शिव और पार्वती की एक बहुत बड़ी मूर्ति है। यह मूर्ति दूर से ही अपने सैलानी इस जगह पर खिंचे चले आकर्षित करती है। यह पूरे देश में विशाखापट्टनम की एक सर्वश्रेष्ठ जगह के रूप में जानी जाती है।



संजय शेखर नई दिल्ली

तो आपको कैलाशगिरी की यात्रा जरूर करनी चाहिए। यह हमें भी बहुत अच्छी लगी और हमने खूब एंजॉय किया।

इस दौरान कुछ लोगों ने हमें बोरा गुफा देखने की सलाह दी, जो कि आंध्र प्रदेश की सबसे खास जगहों में आती है। यह देश की सबसे बड़ी गुफा मानी जाती है। इसकी वजह से इस जगह पर देश भर से सैलानी आते हैं। इस गुफा को देखना पसंद करते हैं। इस जगह पर पहुँचने के लिए आपको विशाखापट्टनम स्थित अराकू घाटी पहुँचना होगा। यह घाटी अनंत गिरी पहाड़ियों के बीच में मौजूद है। यह गुफा देश भर में अपनी प्राचीन कहानियों की वजह से प्रचलित है। इस गुफा की कुल लंबाई 705 मीटर है, जिसमें सुंदर नकाशी करके इसे घूमने लायक जगह बनाया गया है। इस जगह पर लोग घाटी से जुड़ी कहानियों को सुनने के लिए आते हैं। इस जगह पर आकर आप धरती के ऊपर और नीचे रहने के फर्क को समझ सकते हैं। यह जगह भी हमें बहुत पसंद आयी और इस तरह से हमारे पहले दिन की अच्छी शुरूआत हुई और हम सब शहर में घूमे।

दूसरा दिन हमारा श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर दर्शन से शुरू हुआ। श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर देश के

सबसे प्रमुख दर्शनीय स्थलों में आता है। यह मंदिर बहुत ही खूबसूरत है और भगवान विष्णु के नौवें अवतार नरसिंह को समर्पित है। इसकी वजह से इस जगह को विष्णु भक्तों की वजह से जाना जाता है। आप भी यदि इस जगह पर जाने का विचार बना रहे हैं तो आपको सबसे पहले सिंहचलम नामक पहाड़ी पर जाना होगा और इसी की चोटी पर बनाया गया है, यह मंदिर। इस मंदिर में जाकर ओडिशा और द्रविड़ शैली की वास्तुकला से आपका परिचय होगा। यह मंदिर काफी लोकप्रिय है, जिसकी वजह से देश भर से लोग पहुँचते हैं। इस जगह के पर्यटन स्थलों और खूबसूरती को एंजॉय करते हैं। हमें इस जगह पर जाने में थोड़ा वक़्त जरूर लगा, लेकिन हमने खूब एंजॉय किया।

कुछ ही दूरी पर गोस्तानी नदी का झरना बहता है, जहाँ पर सैलानियों की काफी भीड़ रहती है। यह झरना विशाखापट्टनम के सबसे प्रमुख झरनों में आता है। इस जगह को लोग अपने अलहदा मौसम और ट्रेक के लिए जाना जाता है। यही वजह है कि विशाखापट्टनम घूमने आने वाले सैलानी इस जगह पर खिंचे चले आते हैं। इस जगह के पहाड़ और ऊँचाई से गिरता हुआ पानी लोगों को अपनी तरफ खींचता है। इस जगह पर यदि आप आते हैं तो



आपको गोस्तानी नदी के झरने जरूर देखना चाहिए। यह झरना 50 फीट ऊपर से गिरता है। इस जगह पर जाने के लिए आप ट्रेकिंग का प्लान कर सकते हैं। यह पूरा रास्ता बहुत ही सुंदर है और हरे-भरे पेड़-पौधों के मध्य से होकर जाता है जो देखने में काफी खूबसूरत लगते हैं। लेकिन हम समय के अभाव के चलते सिर्फ झरने की खूबसूरती को ही देख पाए।

हमारी यात्रा का तीसरा और आखिरी दिन बोच्चनकोंडा से शुरू हुआ। यह विशाखापत्तनम की सबसे खूबसूरत और दिलचस्प जगहों में से एक है। यह छह रॉक कट गुफाओं का एक बहुत ही सुंदर समूह है। यह गुफाएँ जितनी सुंदर हैं, उससे भी कहीं ज्यादा प्राचीन। ऐसा बताया जाता है कि इन गुफाओं को चौथी शताब्दी में बनाया गया था। इन सभी गुफाओं में गौतम बुद्ध की सुंदर मूर्तियाँ लगी हुई हैं, जो बौद्ध धर्म के तीर्थंकर थे। इस जगह पर कई स्तूप हैं, जहाँ पर पहले बौद्ध भिक्षुक ध्यान

लगाया करते थे। इस जगह पर इंटों से बना एक गुंबद भी है। इस जगह पर बौद्ध धर्म के तीनों चरणों जिन्हें हम सब महायान, हीनयान और ब्रजयान के नाम से जानते हैं, दर्शाया गया है। इस जगह का अपना एक विशिष्ट धार्मिक महत्व है जिसके प्रति हमारी आस्था भी जुड़ी हुई है।

दोपहर के बाद हम यारदा समुद्र तट पर गए। यारदा समुद्र तट को अपनी खास खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यह समुद्र तट इतना खूबसूरत है कि इसकी वजह से विशाखापट्टनम दक्षिण का गोवा कहलाता है। इस जगह पर आकर आप समुद्र की उठती गिरती लहरों की खूबसूरती को देख सकते हैं। इस जगह की सुनहरी और खूबसूरत रेत पर बैठकर सूर्य के उदय और सूर्य के ढूबने का दिलचस्प नजारा देख सकते हैं। इस जगह पर आपको लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर पिकनिक मानते दिख जायेंगे। इस जगह का नजारा इतना खूबसूरत होता है कि यदि आपने

एक बार देख लिया तो जीवन भर नहीं भूलेंगे। आपको विशाखापट्टनम में आकर यारदा समुद्र तट एक बार जरूर देखना चाहिए। यह जगह हमें बहुत ही ज्यादा पसंद आई।

विशाखापट्टनम जाने के लिए हर तरह के परिवहन मौजूद हैं। हवाई जहाज से मन सबसे पहले विशाखापत्तनम पहुँचे, जो देश का एक प्रमुख हवाई अड्डा है। यह देश के सभी प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इस जगह पर दुनिया भर से लोग घूमने के लिए आते हैं। यदि आप ट्रेन से जाना चाहते हैं तो भी आपको विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन के लिए टिकट लेना होगा, जिसे वाईजाग के नाम से भी जाना जाता है। इसका पुराना नाम वाल्टेयर था। विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन से आसपास जाने के लिए बहुत ही आसानी से टैक्सी मिल जाती है। कुछ लोग सड़क मार्ग से भी विशाखापत्तनम जाना पसंद करते हैं।

## पक्षी ■ पुराण

# 'लखनऊ का संत'

ब रसों पहले लखनऊ के एक साहित्यकार ने 'विश्रामपुर का संत' नामक एक विराट कथा लिखकर खूब प्रसिद्धि बटोरी थी। अब लखनऊ कुछ दूसरी वजहों से चर्चा में है।

'लखनऊ है तो महज गुम्बदो मीनार नहीं, सिर्फ एक शहर नहीं कूच ओ बाजार नहीं, इसके आँचल में मोहब्बत के फूल खिलते हैं, इसकी गलियों में फरिश्तों के पते मिलते हैं।'

अब हम लखनऊ के जिस उपदेशी शक्तिशाली का जिक्र कर रहे हैं वो खुद को 'साहित्य का संत' कहलवाना पसन्द करते हैं। न, न धोती-कुर्ता वाले नहीं हैं, बल्कि ब्रांडेड पैट-शर्ट ही पहनते रहे हैं। उनके साथ शराब-कबाब के हमप्यालों के लिये वह फरिश्ता हैं, क्योंकि मुफ्त का इफ़रात जुगाड़ हमेशा उनके पास होता है। उनसे साहित्य का वास्ता रखने वालों से वह 'साहित्यिक संत' सुनना पसंद करते हैं। अब वह फरिश्ता हैं या संत, ये तो शोध का विषय है मगर एक पाँश एरिया के सरकारी सब्सिडी वाले काफी बड़े और आरामदेह मकान में ये संत मुमा कवि पाए जाते हैं। संत कवि के कुछ गुण निम्नवत हैं...

1. संत कवि फेसबुक पर कविता पोस्ट करने को अनुचित मानते हैं और टैग करने को महापाप। ये अलग बात है कि जब भी कोई कविता संत कवि लिखते हैं तो फेसबुक के अपने पांच हजार मित्रों को टैग कर देते हैं और फिर उसे अपने फेसबुक पर बनाये हुए पेज पर भी डाल देते हैं ताकि इनका कोई भी परिचित इनकी कविता की 'आई टॉनिक' से वंचित न रह सके।
2. संत कवि के एक उस्ताद कवि भी हैं। उस्ताद कवि

लोकनिर्माण विभाग से रिटायर्ड महकमे से अरबपति हैं। उनका प्रिय शाल है मजदूरों के लिये कविता लिखना और मजदूरों को क्रांति के लिये जानना। संत कवि के उस्ताद कवि की ये समस्या है कि जब तलक स्कॉच के दो पैग उदरस्थ नहीं कर लेते, तब तक उनसे मजदूरों की क्रांति की कविता का सुजन नहीं हो पाता। संत कवि उनके स्कॉच से मजदूर हितों वाली कविता के जन्म की प्रक्रिया से बेहद प्रभावित हैं और कविता के जन्म हेतु अक्सर ही उस्ताद कवि के कार्यों और लेखन शैली का अनुकरण करते हैं।

संत कवि का मानना है कि उनका काम बजरिये कविता, मजदूरों की क्रांति के लिये जमीन तैयार करना है।

3. संत कवि जैसे तो प्रचार - प्रसार से दूर रहना चाहते हैं परंतु अपने अपने कर्तव्य बतकहीं (जिसे वह कविता कहते हैं) करते हैं तो उसे अपने वाट्सएप के स्टेटस पर तुरंत लगाते हैं और वाट्सअप के सभी गुप्तां में डालते हैं। संत कवि ये बात भी सुनिश्चित करते हैं कि जिसने भी वाट्सअप पर उनकी कविता की स्टेटस नहीं देखी, उसको ब्लाक कर दिया जाये।
4. संत कवि एक अनियतकालीन पत्रिका भी



दिलीप कुमार

निकालते हैं, ये पत्रिका मलाईदार विभागों से रिटायर्ड कुछ उच्च अधिकारियों द्वारा प्रमुखतया पोषित-पल्लवित है।

ये उन रिटायर्ड अफसरों के मानसिक कला का साधन है जो जीवन भर तारीफ, तबज्जो, जी-हुजुरी सुनने के आदी रहे हैं। मगर कुर्सी से रिटायर्ड होने के बाद अब सिर्फ एक धनवान व्यक्ति बन कर रह गए हैं, संत कवि की पत्रिका उन्हें सतत कालजयी कवि घोषित करती रहती है, जिसके एवज में संत कवि को लखनऊ के कुछ अति विशिष्ट कलब के पास अक्सर मुहैया हो जाया करते हैं, जो उन रिटायर्ड उच्चाधिकारियों की वीआईपी स्टेटस को ही प्राप्त रही थीं।

संत कवि की अनियतकालीन पत्रिका के दरवाजे ऊपर की कमाई वाले कवि हृदय अफसरों के लिये सदैव खुले रहते हैं। कोई भी कमाऊ और कवि हृदय अफसर विभाग के विज्ञापन देकर या होली-दीपावली की व्यक्तिगत शुभकामनाएं पत्रिका में छपवा कर उकृष्ट कवि बन सकता है।

मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की।

6. संत कवि प्रचार-प्रसार में बिल्कुल यकीन नहीं रखते, लेकिन यदि लखनऊ में किसी पुस्तक के लोकार्पण में उनको बुला लिया जाए, भले ही उपन्यास का लोकार्पण हो तो अपनी ताजा लिखी हुई न्यूनतम पांच कविता तो सुना ही देते हैं और कविता सुनाने के बाद तुरंत वहाँ से चल देते हैं, किसी अन्य की कविता नहीं सुनते। उनका मानना है कि उनके जैसे संत कवि को दूसरे की कविता पर सरंआम वाह-वाह करना न तो आवश्यक है और न ही उचित।

7. संत कवि के उस्ताद कवि बाढ़ महकमे से रिटायर हुए हैं। लखनऊ में उनकी कविता से ज्यादा चर्चा उनके अनगिनत प्लाटों और आवासों की होती है, मजदूरों की क्रांति के लिये अक्सर वे बिहार, बंगाल अपने प्राइवेट जेट से जाते रहते हैं कम्प्यूनिस्ट मित्रों के चुनावों के प्रचार-प्रसार में और कभी-कभार धरना प्रदर्शन में। संत कवि के उस्ताद कवि के साथ अक्सर प्राइवेट जेट में कविता से क्रांति के लिये बिहार, बंगाल आदि प्रांतों में जाते रहते हैं, आखिर मजदूरों के हित का सवाल जो रहता है।

या लेख लिखते हैं तो अपने घर में काम करने वाली नौकरानी, महरी की पगार का कुछ हिस्सा काट कर स्कॉच को समर्पित कर देते हैं, ताकि दुनिया भर के मजदूरों के संघर्ष में उनके घर से भी क्रांति के कुछ बीज जा सकें।

9. संत कवि का मानना है कि व्यक्ति को अपनी कविता के प्रचार-प्रसार का काम हींज नहीं करना चाहिए। वो प्रायः कवियों को नसीहत देते रहते हैं कि दमदार रचना लिखने पर फोकस करो। प्रचार-प्रसार पर नहीं, सूर कबीर तुलसी को देखो। उनकी रचना अच्छी थी इसलिए उनकी रचना रह गई, भले ही वो लोग चले गए। उनका ब्रह्मवाक्य है कि 'कवि नखर है, रचना अजर-अमर है'। उन्होंने निजी तौर से अनथक प्रयास करके केरल के पाटयक्रम में अपनी एक कविता लगावा भी ली थी। उन्हें अपने सभी परिचितों को बताते-बताते एक बरस लग गया कि उनकी रचना केरल के पाटयक्रम में लगा दी गई है, मगर साल बीतते केरल से उनकी रचना न जाने क्यों हटा दी गई। उन्होंने दरयाफत की तो पता चला कि पटना के एल संत कवि को भी उन्होंने की तरह क्रांति के लिये अवसर देना लाजिमी था।

उन्हें इस बात का बेहद मलाल था कि इतनी मुश्किल से वो सूर, कबीर, तुलसी के बगल में पहुँचे थे और पाटयक्रम से हटा दिए गए। उनके स्कॉच की उस्ताद कवि ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जिन-जिन राज्यों में वो अपने कम्प्यूनिस्ट साथियों के चुनाव के प्रचार-प्रसार हेतु गए हैं, उन राज्यों में वो संत कवि की रचनाएं लगवाने का प्रयास करेंगे। कम से कम तीन राज्यों के पाटयक्रम में उनकी कविता लगावने की गारंटी संत कवि के स्कॉच की उस्ताद कवि ने स्कॉच की गवाही में दी है, बंगाल में शासन बदलने का इंतजार करने

का भी सीख दी है, संत कवि के उस्ताद कवि ने कहा है कि बंगाल में मनमार्फिक सरकार आते ही उन्हें किसी न किसी हिंदी विद्यापीठ का अध्यक्ष उन्हें जरूर बनवा देंगे।

10. संत कवि का मानना है कि कवि तो लोक विधायक होता है उसे सिर्फ दबे-कुचले शोषित लोगों की बात करनी चाहिए। उन्हीं के साथ खड़े होना चाहिये, शोषण या बुरा करने वालों के साथ नहीं रहना चाहिये। पर न जाने क्यों छाजूमल वैद्यनाथ के लिये उनके दिल में एक सॉफ्ट कार्नर है। छाजूमल वैद्यनाथ वही हैं जो कि नकली मावा बनाने के जुर्म में तीन साल जेल काट चुके हैं और कोर्ट ने उनके खाने-पीने के सामान बेचने पर पाबंदी लगा दी है।

संत कवि ने उस सजायाफता को न जाने क्यों समाजसेवी घोषित कर दिया। उन्हें समाजसेवी बनाने की संत कवि ने हर स्तर पर एक लम्बी लड़ाई लड़ी।

कहते हैं कि कपूरथला से छाजूमल के कपड़ों के शोरूम से सदी और गर्मी के कपड़े सीजन शुरू होते ही आ जाया करते थे और लोक विधायक सदृश संत कवि पूरे साल सजायाफता को लखनऊ के अखबारों में समाजसेवी घोषित करते रहते हैं। एक यश प्रार्थी युवा कवि ने उनसे पूछा कि - 'आप एक सजायाफता को समाजसेवी घोषित करने पर क्यों तुले हुए हैं। संत कवि ने उनहिल की सिंगरेड मुलगाई, लंबा कश लिया और युवा कवि के मुंह पर ढेर सारा धुआं उड़लते हुए कहा झ 'संत न छोड़ें संतई, कितनौ मिले असंत'। युवा कवि संत कवि की बातों को समझा तो नहीं, मगर अभिभूत अवश्य हो गया।



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियाँ देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।



**BRIEF NEWS**

हटिया डैम में डूबे छात्र का दूसरे दिन मिला शव

**RANCHI :** रांची के हटिया डैम में नहाने के दौरान डूबे छात्र अंजन केरकेट्टा (14) का शव एनडीआरएफ ने शनिवार को काफी मशकत के बाद खोज निकाला। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को अंजन केरकेट्टा भाई अंकुर केरकेट्टा के साथ साइकिल से धुवाँ कोचिंग करने आया था और धुवाँ डैम की ओर घूमने चला गया। घूमने के बाद दोनों भाई डैम में नहाने उतर गए और अंजन गहरे पानी में चला गया।

**कल से नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन**

**RANCHI :** झारखंड में नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर विभाग ने गाइडलाइन जारी कर दिया है। झारखंड में जिला स्तरीय नेहरू कप प्रतियोगिता 15 से 20 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। वहीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 24 से 27 अगस्त तक खेला जाएगा। राज्य स्तर पर प्रतियोगिता जीतने वाली टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेगी। नेहरू कप में बालक वर्ग में अंडर 15 और अंडर 17 के लिए प्रतियोगिता आयोजित होगी। वहीं बालिका के लिए अंडर 17 वर्ग में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर अंतर विद्यालय प्रतियोगिता से प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जाएगा।

**वृक्षित फाउंडेशन ने रांची यूनिवर्सिटी में लगाए पौधे**

**RANCHI :** शनिवार को रांची यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के कैम्पस में वृक्षित फाउंडेशन ने 200 से भी अधिक पौधों का रोपण किया गया। इनमें दो कल्पवृक्ष भी शामिल थे। कार्यक्रम में समाज तक एक मैसेज देने का भी काम किया गया, जिसमें बताया गया कि ज्यादा से ज्यादा अपने आसपास पेड़ लगाएं और पर्यावरण को सुंदर बनाएं। इस आयोजन में स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के डायरेक्टर बीपी सिंह, विभाग के शिक्षक मनोज शर्मा, संतोष उरांव, अनन्या, अनुप्राया और अन्य सदस्य सम्मिलित थे। साथ ही वृक्षित फाउंडेशन के अध्यक्ष शुभम सिंह, उपाध्यक्ष पारुल गोकुलका और उनके साथ फाउंडेशन के अन्य सहकर्मी सुधीर, विवेक, कमल, निशांत, रोशनी, शर्मा, राहुल और अन्य भी शामिल थे।

**स्कूल की जलमीनार का सोलर पैनल चोरी**

**KANKE :** थाना क्षेत्र के नूर मोहल्ला हुसीर स्थित उत्कृष्ट प्राथमिकी विद्यालय में लगा जलमीनार का सोलर पैनल शुक्रवार रात चोरी हो गया। इस संबंध में स्कूल के पारा शिक्षक मो शरीफ ने कांके थाना को दिये प्राथमिकी में बताया कि मुखिया फंड से लगा जलमीनार का तीन सोलर पैनल चोरी हो गया। वहीं पूर्व में स्कूल में लगा तड़ित चालक का तांबे का तार भी चोरी हो गयी थी।

**17 को मुख्य मंदिर लौटेंगे भगवान, घुरती रथ के साथ मेला का होगा समापन जगन्नाथ स्वामी के दर्शन के लिए मौसी बाड़ी में उमड़ी भक्तों की भीड़**

**PHOTON NEWS RANCHI :** मौसी घर मेहमानी पर आए भगवान जगन्नाथ स्वामी के दर्शन के लिए शनिवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पुजारियों ने मौसी बाड़ी में सुबह पांच बजे नेम-निष्ठा से दैनिक-पूजन आरती भगवान को खीर और हलुवा आदि का भोग लगाया। इसके बाद मंदिर का पट आम भक्तों के लिए खोल दिया गया। दिन चढ़ने के साथ दर्शनार्थियों की कतार लग गई। मौसम साफ रहने से भीड़ भी अत्याधिक रही



भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़ी भीड़। • फोटोन न्यूज

**रात में भोग लगाने के बाद बंद हुआ पट :** भक्तों ने दोपहर 12:10 बजे तक दर्शन-पूजन किया। इसके बाद पट बंद कर दिया गया। फिर दिन के तीन से श्रद्धालुओं जगन्नाथ स्वामी का दर्शन शुरू हुआ, जो रात आठ बजे तक चला। रात साढ़े आठ

के लोग भी सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने को लेकर मुस्तेद हैं। **16 को श्रद्धालु लगाएंगे विशेष भोग :** मौसी बाड़ी में 16 जुलाई की रात भगवान जगन्नाथ स्वामी को खिचड़ी का विशेष भोग लगाया जाएगा। साल में सिर्फ इसी दिन भगवान को खिचड़ी का भोग निवेदित किया जाता है। मान्यता है कि घर लौटने से एक दिन पूर्व लक्ष्मी ने खिचड़ी बनाकर जगन्नाथ स्वामी को

**छिलका रोटी व खीर का लगाया जा रहा भोग**

खिलाया था। इसी भाव को आत्मसात कर भक्त खिचड़ी का विशेष भोग परंपरागत तरीके से भगवान को अर्पित करते हैं। मौसी घर मेहमानी पर आए भगवान जगन्नाथ स्वामी 17 जुलाई को बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा संग मुख्य मंदिर लौटेंगे। उनकी अगुवानी को लेकर मेला परिसर एक बार फिर गुलजार होगा। मौसी बाड़ी में बुधवार को दिन के तीन बजे मौसी बाड़ी में भगवान के दर्शन के बाद विग्रहों को रथारूढ़ किया जाएगा। पूजा-आरती के बाद भगवान की वापसी यात्रा शुरू होगी। श्रद्धालु रथ खींच और घकेल कर मुख्य मंदिर ले जाएंगे। फिर भगवान जगन्नाथ समेत अन्य विग्रहों को मुख्य मंदिर में आरूढ़ किया जाएगा। इसके बाद पूजा-अर्चना और मंगल आरती उतारी जाएगी।

हाईकोर्ट ने वकीलों को बीमा योजनाओं का लाभ देने का दिया निर्देश

**RANCHI :** झारखंड हाई कोर्ट राज्य में वकालत करने वाले अधिवक्ताओं को जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा समेत अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़े जाने को लेकर गंभीर है। अधिवक्ताओं को सरकारी योजनाओं से जोड़कर सुविधा दिलाने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस विद्युत रंजन पांडेगी और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में हुई। इस दौरान हाई कोर्ट ने सरकार को वकीलों को जीवन बीमा का लाभ देने के लिए प्रावधान करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ज्यादातर वकील अपना जीवनयापन ठीक से नहीं कर पाते। ऐसे में जीवन और चिकित्सा बीमा के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करना सरकार का काम है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यकारी अध्यक्षों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

**PHOTON NEWS RANCHI :** कांग्रेस के विभिन्न विभागों और कार्यकारी अध्यक्षों की बैठक प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में शनिवार को कांग्रेस भवन में हुई। बैठक में अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, डाटा एनालिसिस विभाग के अध्यक्ष शामिल थे। बैठक में राजेश ठाकुर ने सभी विभाग के अध्यक्षों को कई निर्देश दिये। ठाकुर ने कहा कि सभी विभाग समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े हुए हैं और उनकी जिम्मेदारी है कि उस समाज की समस्याओं से रूबरू हों ताकि इसे उचित पटल पर रखकर उन समस्याओं का निराकरण किया जा सके। इसके लिए आवश्यक है कि

**एटीएस ने अमन साव गिरोह के चार बदमाशों को किया अरेस्ट**



गिरफ्तार अपराधियों के बारे में मीडिया को जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

**PHOTON NEWS RANCHI :** आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने गिरिडीह जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर अमन साव गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में रांची के पंडरा निवासी शिव शंकर कुमार सिंह, रोशन कुमार सिंह, रामगढ़ के पतराजू निवासी अविनाश कुमार और साहिबवंज निवासी अजय कुमार सिंह शामिल हैं। एटीएस एसपी त्रश्व झा ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरिडीह के जेल अधीक्षक हिमानी प्रिया को जान से मारने और उनके परिजनों को धमकी देने का मामला 5 जुलाई को सामने आया था। मामले में एटीएस ने कार्रवाई करते हुए डीएसपी संजय कुमार और नितिन खण्डेलवाल के नेतृत्व में एक टीम

- गिरिडीह जेल अधीक्षक हिमानी के परिवार पर हमले की दी गई थी धमकी
- दो से तीन दिनों के अंदर घटना को दिया जाना था अंजाम

का गठन किया। अनुसंधान के क्रम में पता चला कि जेल में धमकी देने के बाद अमन ने अपने गिरोह के सदस्यों को गिरिडीह जेल अधीक्षक हिमानी के परिवार पर हमला करने को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरिडीह के जेल अधीक्षक के देवघर स्थित घर पर अमन गिरोह के अपराधी हमला करने वाले थे लेकिन उससे पहले ही झारखंड एटीएस की टीम ने टेक्निकल सेल से मिले इन्फुट पर अमन गिरोह के उन चारों अपराधी को गिरफ्तार कर लिया।

**कार्यकर्ता क्षेत्र में मतदाताओं को पार्टी के साथ जोड़ने का करें काम : खीरू**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शनिवार को सहजानन्द चौक स्थित स्वागतम बैंकवेट हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य खीरू महतो ने की और संचालन प्रदेश महासचिव श्रवण कुमार ने किया। बैठक में दो प्रस्ताव पारित हुए। इसमें राष्ट्रीय कार्यसमिति, दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जरिये राज्यसभा सदस्य संजय झा को जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रदेश जदयू ने स्वागत किया और आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार के चयन, सीट का चयन, झारखंड में एनडीए गठबंधन और जदयू के शीर्ष नेताओं से वार्ता करने और समन्वय

**जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में दो प्रस्ताव पारित**



बैठक में मौजूद खीरू महतो व पार्टी के अन्य नेता। • फोटोन न्यूज

स्थापित कर चुनावों को संपन्न करने के लिए प्रदेश कार्यसमिति ने सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो को अधिकृत किया। मौके पर खीरू महतो ने कहा कि पार्टी सभी कार्यकर्ता क्षेत्र में सक्रिय होकर मतदाताओं को पार्टी के साथ जोड़ने का काम करें। बैठक में पूर्व मंत्री सुधा चौधरी, पूर्व

विधायक कामेश्वर दास, डॉ आफताब जमिल, मधुकर सिंह, भगवान सिंह, सागर कुमार, निलत सिंह, संजय सिंह, आशा शर्मा, संतोष सोनी, त्रिवेणी वर्मा, पिंटू सिंह, अखिलेश राय, दीप नारायण सिंह, रामस्वरूप यादव, वीरेंद्र पासवान, प्रदीप महतो, अर्जुन मेहता, कुलेश्वर आदि मौजूद थे।

**सामाजिक बदलाव में शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण : दिनेश**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

रांची के अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव उत्कृष्ट मुख्यमंत्री जिला विद्यालय सभागार में शनिवार को स्कूल रुआर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समग्र शिक्षा अभियान का मुख्य लक्ष्य 5-18 आयुवर्ग के सभी बच्चों की विद्यालयी शिक्षा पूर्ण कराना है। इसे ध्यान में रखते हुए स्कूल रुआर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल रुआर अभियान के गीत ले मशालें चल पड़े लोग मेरे गांव के के माध्यम से शत प्रतिशत नामांकन का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि उप-विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। एक भी बच्चा नामांकन से



उप-विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव।

वंचित न रहने पाए। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा के गहन महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा समाज की नींव है, ये समाज में बदलाव लाने का कार्य करती है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधीक्षक मिथिलेश केरकेट्टा ने कहा कि सभी के सहयोग से प्रखंड स्तर और विद्यालय स्तर में स्कूल रुआर के सभी गतिविधियों को सफल बनाया जा सकता है। मांडर प्रखंड के प्रमुख ने भी सभा को संबोधित किया।

**कांके विधानसभा क्षेत्र के 481 भाजपा बूथ अध्यक्षों को किया गया सम्मानित**

**PHOTON NEWS PITHORIA :**

शनिवार को कांके विधानसभा के भाजपा बूथ अध्यक्षों का अभिनंदन सह संकल्प सभा चिरौड़ी स्थित आशीर्वाद मैरिज हॉल में संपन्न हुआ। इस संकल्प सभा में कांके विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 481 बूथ अध्यक्षों को सम्मानित किया गया और उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव के सम्यक उद्देश्य की पूर्ति हेतु संकल्प भी दिलाया गया। विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष और उनकी समिति को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाजरी उपस्थित हुए। कहा कि वर्तमान की श्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का उन्होंने संकल्प दिलाया। सभा को संबोधित करते हुए संजय सेठ, सांसद सह केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री ने कहा कि बूथ अध्यक्ष हमारे नायक हैं। बहुत विमन भव से उन्होंने कहा कि



कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व अन्य। • फोटोन न्यूज

सांसद और भारत सरकार में राज्य रक्षा मंत्री भी हमें बूथ अध्यक्षों की परिश्रम ने बनाया है। कांके के विधायक समीर लाल ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के एक-एक बूथ अध्यक्ष की बहुत बड़ी भूमिका है। आने वाला विधानसभा के चुनाव इन्हीं बूथ अध्यक्षों के बल पर हम भारी मतों से विजय प्राप्त करेंगे। अध्यक्षता जिला के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो के द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू के द्वारा किया गया। संचालन नरेंद्र कुमार जिला महामंत्री के द्वारा किया गया इस अवसर पर

**'जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जागरूकता जरूरी'**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा कि इस वर्ष अपेक्षाकृत वर्षा कम हुई है। इसलिए यहां जल छाजन के स्त्री की महत्ता बढ़ जाती है। जिलों में जल संरक्षण को लेकर हर स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं। जल के एक-एक बूंद का संरक्षण और उसके महत्व को विस्तारपूर्वक बताया गया। राजेश्वरी ने कहा कि पानी को व्यर्थ न बहाएं। जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जन जागरूकता जरूरी है। उन्होंने इन योजनाओं को आत्मसात करते हुए प्लांटिंग के साथ कृषि करने की बात कही। साथ ही कहा कि ड्रिप इरीगेशन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे जल संग्रहण के साथ फसल सिंचाई भी अच्छे से किया जा सकता है। मनरेगा आयुक्त ने शनिवार को जल छाजन के तहत संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर रांची, लोहरदगा, सिमडेगा एवं



मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी।

गुमला जिला में संचालित परियोजनाओं की क्रियान्वयन एजेंसी के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि जल छाजन कार्यक्रम का उद्देश्य है पर्यावरण में सही संतुलन को स्थापित करना, मिट्टी के कटाव को रोकना, प्राकृतिक वनस्पतियों को पुनर्जीवित करना, वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल को बढ़ावा देना, मिश्रित खेती तथा खेती की नई तकनीकों को बढ़ावा देना व टिकाऊ जीविकोपार्जन पद्धति को बढ़ावा देना है।

**आखिरी गरीब व्यक्ति तक कानूनी सहायता पहुंचाना करें सुनिश्चित : चीफ जस्टिस बीआर सारंगी**

**मामलों के त्वरित निष्पादन में आई है तेजी**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

झारखंड में राष्ट्रीय लोक अदालत और अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति (एसडीएलएससी) नगर अंडर गढ़वा का उद्घाटन हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर सारंगी ने शनिवार को ऑनलाइन न्याय सदन, रांची के डोरंडा में किया। मौके पर चीफ जस्टिस बीआर सारंगी ने कहा कि आखिरी गरीब व्यक्ति तक न्याय पहुंचे, यह सुनिश्चित करें। लीगल सर्विस अथॉरिटी का काम है अंतिम पायदान पर पहुंचे हुए गरीब व्यक्ति तक पहुंचाना और उन्हें कानूनी सहायता देना। चीफ जस्टिस ने कहा कि झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) गरीबों को



कार्यक्रम में उपस्थित चीफ जस्टिस बीआर सारंगी व अन्य। • फोटोन न्यूज

कानूनी सहायता दिलाने में बेहतर कार्य कर रही है। डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी (डालसा) को तीन बलों पर विशेष ध्यान रखना होगा। पहला, लोगों को समय पर कानूनी सहायता पहुंचाना। दूसरा, बिना थके काम करना और तीसरा,

जहां कानूनी सहायता की जरूरत है वहां पर लीगल सर्विसेज की टीम का पहुंचाना। चीफ जस्टिस ने कहा कि झालसा लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निष्पादन में बेहतर कार्य कर रही है। मामलों के त्वरित निष्पादन में तेजी आई है।

**रीजे बीआर सारंगी ने लोक अदालत का किया निरीक्षण**

झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर सारंगी, झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय द्विवेदी ने शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने सितिल कोर्ट में चल रही लोक अदालत का जायजा लिया और पक्षकारों के बीच मध्यस्थता करवा रहे वकीलों से बातचीत की। इससे पहले रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय, झालसा की सचिव रंजना अस्थाना, रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शंभु अग्रवाल, महासचिव संजय द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

**जिला प्रशासन की मौजूदगी में कर्बला पर की गई चादरपोशी**



चादरपोशी करते लोग। • फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची स्थित कर्बला चौक कर्बला पर छठी मोहर्रम के अवसर पर जिला प्रशासन की मौजूदगी में मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी की अगुवाई में चादर पोशी का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची डीसी एवं सीनियर एसपी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि ए डी एम लॉ ऑर्डर, एसडीएम रांची, डीएसपी

रांची, एसडीओ रांची, ने संयुक्त रूप से कर्बला पर चादर चढ़ाई। मौके पर अकील उर रहमान, मोहम्मद इस्लाम, अफरोज आलम, जय सिंह यादव, अब्दुल मन्नान, हाजी माशूक, अशरफ हुसैन रिजवी, नासिर हुसैन, सैयद फराज अब्बास, नदीम रिजवी, अब्दुल खालिक नन्नु, मोहम्मद आफताब, मोहम्मद आदिब, आदिल रशीद, फराज अहमद, सोहेल सईद, हाजी साहेब अली उपस्थित हुए।



# मंत्री बन्ना गुप्ता ने किया करीब छह करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

## मंत्री ने कहा-लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान मेरी प्राथमिकता



योजनाओं का शिलान्यास करते मंत्री बन्ना गुप्ता व अन्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:

स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन व खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने शनिवार को करीब 6 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया। कदमा स्थित अपने आवासीय कार्यालय में नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा अमृत 20 की निधि से क्रियान्वित 39 योजनाओं का शिलान्यास किया, जिसकी कुल प्राक्कलित राशि 5 करोड़ 81 लाख 17 हजार 178 रुपये है।

इस दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि विकास का कार्य न रुका था न रुकेगा, मैं व्यक्तिगत रूप से अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मोहल्ले एवं सोसाइटी का निरीक्षण करते हुए लोगों से मिलता भी हूँ और ऑनस्पॉट समस्या को सुनकर समाधान करने का प्रयास करता हूँ। आज कई योजनाओं का शिलान्यास कर जनता को समर्पित किया हूँ ताकि क्षेत्र में विकास की

### ये योजनाएं शामिल

- नागरिक सुविधा मद अंतर्गत कुल योजनाओं की संख्या 15 : कुल प्राक्कलित राशि- 2.25,73,641.00
- सड़क परिवहन मद अंतर्गत कुल योजनाओं की संख्या 24 : कुल प्राक्कलित राशि -2,87,53,168.00
- अमृत 20 मद अंतर्गत कुल योजनाओं की संख्या 1 : कुल प्राक्कलित राशि 67,90,369.00

### योजनाओं का विवरण

सामुदायिक भवन का निर्माण, सामुदायिक भवन का सौंदर्यीकरण, छत घाट निर्माण, तालाब निर्माण, सड़क निर्माण, नाली निर्माण

गंगा अनवरत बहती रहे! इस अवसर पर इरशाद हैदर, अमित प्रसाद, बिनोद रजक, राजेश रजक, भोला गोस्वामी, सूरज कुमार, राजकुमार दास, जयप्रकाश साहू, अनिल सिंह, जीतेन्द्र सिंह, मनोज झा, राकेश

## मंत्री बन्ना गुप्ता ने राज्य खाद्य निगम के बर्मागाइंस गोदाम का किया निरीक्षण



निरीक्षण करते बन्ना गुप्ता व पाठल सिंह • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण तथा खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री बन्ना गुप्ता ने शनिवार को जमशेदपुर के साकची और बर्मागाइंस स्थित राज्य खाद्य निगम के गोदाम का निरीक्षण किया। मंत्री के साथ धालभूम एसडीओ पारुल सिंह भी मौजूद रहें। जांच में साकची में गोदाम बंद मिला। इसके बाद काफिला बर्मागाइंस स्थित गोदाम पहुंचा। वहां अधिकारी मौजूद नहीं थे। इस कारण उन्हें मौके पर बुलाया गया। इसके बाद गोदाम में अनाज की जांच की गयी। पता चला कि अनाज आपूर्ति के बारे में इंट्री 30 जून तक ही की गई है। जुलाई माह के बारह दिन गुजरने के बावजूद कोई डाटा नहीं भरा गया है। मंत्री ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की। व्यवस्था में सुधार का निर्देश दिया।

दास, ईश्वर सिंह, माजिद अख्तर, संजय तिवारी, प्रभात ठाकुर, रवि दुबे, मो. इरशाद समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



## माता शबरी रूप सज्जा में 27 स्कूलों के 142 बच्चों ने लिया भाग

सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में शनिवार को आयोजित तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत कक्षा 1 से 3 तथा 4 से 6 तक की छात्राओं के लिए दो वर्गों में माता शबरी रूप सज्जा प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें 27 विद्यालयों के कुल 142 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के मानद महासचिव डॉ. प्रवेनजित तिवारी ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए पूरे कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र गुणका एवं साहित्य समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ. यमुना तिवारी ब्यथिन, विजया लक्ष्मी वेदुला, शिखा अच्यौरी, माधुरी मिश्रा, अनीता निधि, राजेन्द्र साह राज, आरती श्रीवास्तव एवं नीलाम्बर चौधरी शामिल रहे।

## कदमा की बंद सड़क खुलवाने के लिए दिया धरना

JAMSHEDPUR : सर्वदलीय जन एकता मंच ने संजीव आचार्य के नेतृत्व में शनिवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया, जिसमें कदमा स्थित केडी फ्लैट के सामने वाली बंद सड़क को खोलने का आग्रह किया गया। इसमें मोर्चा की ओर से प्रणव सरकार, जितेंद्र प्रमाणिक, विनोद डे, मनकेश्वर चौबे, विजय नारायण शर्मा, तिलेश्वर प्रजापति, आलोक रंजन, राम अवधेश चौबे, सुशीला सिंह, आयशा खान, एमए जेना, सुष्मिता सरकार,



सुमित्रा कुंडू, डी. मनी, पुतुल सिंह, प्रियंका विश्वास, रेनु शर्मा, रुक्मिणी देवी, आरसी कुमारी, स्वप्न राय, अभिषेक शर्मा आदि शामिल थे।

# पूर्व मंत्री के अतिथि भवन में चल रहा था सेक्स रैकेट

एसडीओ पारुल सिंह के नेतृत्व में देर रात की गई छापेमारी

PHOTON NEWS JSR:

झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री के सीतारामदेरा स्थित निर्मलनगर के अतिथि भवन में सेक्स रैकेट चल रहा था। इसकी जानकारी पुलिस टीम और एसडीओ को मिलने पर वहां पर शुक्रवार की देर रात छापेमारी कर कुल 12 लोगों को पकड़ा गया है। इसमें युवक-युवतियां शामिल हैं। एसडीओ पारुल सिंह और डीएसपी निरंजन तिवारी के नेतृत्व में छापेमारी की गई। जांच में पकड़ी गई लड़कियों ने अपना पता जुगसलाई, बागबेड़ा और छोटा गोविंदपुर बताया। यह भी पता चला है कि अतिथि भवन में रहने के लिए जिस आभार कार्ड का इस्तेमाल होता था, वह लोग मौके पर मौजूद नहीं होते थे। एक कमरे में 6 युवक-युवती : छापेमारी के दौरान कुल 3 कमरों



अधिकारियों लंग छापेमारी करने पहुंची एसडीओ पाठल सिंह • फोटोन न्यूज

में छापेमारी की गई। इसमें से एक-एक कमरे से 6 युवक और युवतियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। शराब और हुक्का बरामद : छापेमारी के दौरान सभी कमरों से गांजा, शराब और हुक्का भी बरामद किया गया है। इसके

अलावा भी कई आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है। उसे पुलिस टीम ने जल कर लिया है। होटल की आड़ में सेक्स रैकेट : अतिथि भवन में सेक्स रैकेट चलाए जाने की आशंका स्थानीय लोगों की ओर से ही पुलिस टीम से की गई थी। इसके बाद ही

## फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के धंधे का भंडाफोड़

PHOTON NEWS JSR:

धालभूम एसडीओ पारुल सिंह ने आजादनगर में छापेमारी कर फर्जी सर्टिफिकेट बनाने का भंडाफोड़ किया है। पारुल सिंह और उनकी टीम ने आजादनगर थाना क्षेत्र के जवाहरनगर रोड नंबर 17 कुली रोड तेजाब तलाब के पास रहने वाले मोहम्मद मंजर आलम के घर छापेमारी की। मौके से टीम ने कई सर्टिफिकेट और प्रिंटर समेत कंप्यूटर जब्त किया है। पारुल सिंह ने आजादनगर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर आजादनगर थाना प्रभारी राकेश

कुमार भी पहुंचे और मंजर को हिरासत में लेकर अपने साथ थाना ले गए। इसके अलावा मंजर के पास सर्टिफिकेट बनवाने पहुंचे एक अन्य व्यक्ति को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। जानकारी देते हुए एसडीओ पारुल सिंह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि आजादनगर में फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं जिसका इस्तेमाल विदेशों में नौकरी के लिए किया जा रहा है। सूचना पर उसकी टीम ने छापेमारी की और आरोपी को पकड़ा। एसडीओ ने बताया कि मंजर के

घर की तलाशी के दौरान मौके से कई सर्टिफिकेट बरामद किए गए हैं जिसमें झारखंड एकेडमिक काउंसिल, वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी समेत अन्य यूनिवर्सिटी के सर्टिफिकेट शामिल हैं। इसके अलावा कई कंपनियों के एक्सपीरिमेंस सर्टिफिकेट भी बरामद किए गए हैं इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि तीन-चार हजार में ग्रेजुएशन के सर्टिफिकेट बन जाते थे वहीं 10-30 हजार में इंजीनियरिंग की नकली डिग्री मिल जाती थी।

## गोलमुरी के युवक की सऊदी अरब में संदिग्ध स्थिति में मौत



JAMSHEDPUR :

गोलमुरी निवासी युवक मुजाहिद हुसैन की सऊदी अरब में मौत हो गई है। वह वहां एक कंपनी में नौकरी करता था। मृतक के पिता आबिद हुसैन ने जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय से बेटे का शव मंगाने की गुहार लगाई है। इसके बाद सरयू ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को टवीट किया है। अपने टवीट में राय ने कहा है कि मृतक का परिवार काफी चिंतित और परेशान है। कृपया शव को सऊदी अरब से जल्द से जल्द लाने की व्यवस्था करें। मृतक का परिवार बजरंग नगर में कलगीधर स्कूल के पास रहता है। परिजनों ने बताया कि

### घर से निकलने से मना करने पर की आत्महत्या

JAMSHEDPUR : रात के समय घर से बाहर निकलने से मना करने पर बिरसानगर जौन नंबर 3 के रहने वाले प्रदीप तंतुबाई (20) शुक्रवार की रात फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के बाद परिवार के लोग प्रदीप को लेकर एमजीएम अस्पताल भी पहुंचे हुए थे। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के ठीक दूसरे दिन शनिवार को परिवार के लोगों ने घटना की जानकारी बिरसानगर पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुजाहिद की मौत की खबर हमें दो सप्ताह बाद मिली है, यह कई तरह का संदेह पैदा करता है। उसकी मौत कैसे हुई, इसकी भी स्पष्ट जानकारी नहीं है। मुजाहिद वहां ग्लास फैक्ट्री में काम करता था।

## हल्दीपोखर गोप पाड़ा में पुरानी रंजिश में मारपीट, छह घायल

PHOTON NEWS JSR :

कोवाली थाना क्षेत्र के हल्दीपोखर गोपपाड़ा में किसी बात को लेकर दो गुटों में मारपीट हो गई। मारपीट इतनी जबरदस्त थी कि महिला सुखी गोप समेत आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घटना में तीन लोगों की गंभीर स्थिति को देखकर पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोतका में भर्ती कराया गया है। महिला को नजदीकी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है।



घटना में घायल युवक

रहने वाले राजू गोप अपनी बहन और जीजा को हल्दीपोखर छोड़ने आए थे। मारपीट के दौरान कार का शीशा भी तोड़ दिया गया।

### ये हुए हैं घायल

घायलों में महिला सुखी गोप, श्याम पदों गोप, बीरबल गोप, राहुल गोप जयदेव गोप, राजू गोप आदि शामिल हैं। शांति व्यवस्था बनी रहे इसको लेकर कोवाली पुलिस की ओर से घटनास्थल पर पुलिस बल को तैनाती कर दी गई है।

### जुगसलाई विधायक के इशारे पर फर्जी फॉर्म की बिक्री हुई : आजसू

JAMSHEDPUR : आजसू पार्टी के जिला प्रवक्ता अरुण तिवारी ने फर्जी फॉर्म की बिक्री का आरोप विधायक मंगल कालिंदी पर लगाया है। तिवारी ने साक्ष्य के रूप में झामुमो विधायक मंगल कालिंदी के दो नुमाइंदे जो सोशल मीडिया पर प्रचार करते और फॉर्म बांटते दिखाई पड़ते हैं। ज्ञात हो कि 12 जुलाई को जिला प्रशासन के संज्ञान में आया था कि महत्वाकांक्षी योजना छमुख्यमंत्री बहन बेटी माई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का फॉर्म शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भरने तथा जमा करने के लिए अवैध वसूली की जा रही है।

### पुलिस के लिए सिरदर्द था कार्तिक, अंतिम यात्रा में दिखी भीड़

JAMSHEDPUR : चार मंजिली इमारत से कूदने से हुई मौत की घटना के पहले कार्तिक मुंडा जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावा पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। पुलिस उसकी टोह कई सालों से ले रही थी। जमशेदपुर में सिटी एसपी के रूप में काम कर चुके पुंकेश कुमार लुणावत को जब सरायकेला-खरसावा जिले का नया एसपी बनाया गया, तब उन्होंने कार्तिक मुंडा प्रकरण को गंभीरता से ले लिया। उन्हें ही कार्तिक की गुप्त सूचना मिली थी कि वह सोनारी में आया हुआ है। इसके बाद ही ऑपरेशन शुरू किया गया था। छापेमारी के दौरान भागने के क्रम में वह छत से नीचे गिर गया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। शनिवार को कार्तिक की अंतिम यात्रा निकली जिसमें काफी भीड़ दिखाई पड़ी।

## भुइयांडीह पहुंचे भाजपा नेता अभय सिंह, कहा- नहीं तोड़ने देंगे बस्तियां

कल्याणनगर के किनारे बसे 150 से अधिक घरों को मिला नोटिस

PHOTON NEWS JSR:

भाजपा, जमशेदपुर महानगर के पूर्व अध्यक्ष अभय सिंह शनिवार को भुइयांडीह पहुंचे, जहां उन्होंने बस्तीवासियों को आश्वस्त किया कि भाजपा कार्यकर्ता किसी भी बस्ती को टूटने नहीं देंगे। जमशेदपुर के अंचल अधिकारी द्वारा कल्याण नगर के किनारे बसे हुए 150 से अधिक घरों को नोटिस दी गई है कि आपने अतिक्रमण किया है। इसके पूर्व भी चंडी नगर, निर्मल नगर, बिरसानगर, छाया नगर के लोगों को जब नोटिस मिला था, तब भी हमारे नेतृत्व में डीसी कार्यालय का घेराव हुआ था और आज भी हममें आप लोगों को आश्वस्त करता हूँ कि आप निश्चित



बस्ती में लोगों से नजदक करी करी भाजपा नेता अभय सिंह • फोटोन न्यूज

रहें एक भी घर नहीं टूटेगा। अभय सिंह ने कहा कि बहुत लोगों की यह जानकारी नहीं है कि जब 20 अगस्त 2005 को टाटा लीज का नवीकरण किया गया था, तब कुछ बस्तियों को टाटा लीज से बाहर कर दिया गया था। वहीं, कुछ बस्तियां टाटा लीज के अंदर हैं। इसमें चंडी नगर, छाया नगर,

निर्मल नगर, बाबूडीह, लाल भट्टा, कानू भट्टा, शांति नगर, भुइयां बस्ती, कल्याण नगर, ग्वाला बस्ती भुइयांडीह आदि बस्तियां आज भी टाटा लीज के अधीन हैं। इसलिए सरकार सभी बस्तियों का मापदंड एज रखे। कुछ बस्तियों को टाटा लीज के अंदर और कुछ को टाटा लीज के बाहर नहीं रखे।

### अतिक्रमण हटाने का नोटिस मिलने पर डॉ अजय ने लिखा पत्र

JAMSHEDPUR : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जमशेदपुर के पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार ने साकची के कुछ क्षेत्रों के निवासियों को अतिक्रमण नोटिस के मामले में शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। पूर्वी सिंहभूम जिला, कार्यालय अंचल अधिकारी, जमशेदपुर के निर्देश पर, खाता संख्या-245, प्लॉट संख्या 110, वार्ड संख्या 7, साकची में झारखंड सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत अतिक्रमण अभियान चलाने का नोटिस वहां के निवासियों को दिया गया है। 16 जुलाई को जारी नोटिस में 14 दिनों का समय देते हुए 20 जुलाई तक स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है अन्यथा जबरन अतिक्रमण हटा देने की बात कही गई है। शनिवार को डॉ अजय ने कहा कि इस मामले को लेकर वह गंभीर हैं।

उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने विधि व्यवस्था को लेकर केंद्रीय शांति समिति के साथ की बैठक

## मुहर्रम जुलूस के रूट में बदलाव की अनुमति नहीं

- सभी मुहर्रम समितियों संबंधित थाना प्रभारी को सौंपी अपने 20-20 वोलेंटीयर की सूची



बैठक में शामिल समिति के लोग

निकालें। प्रशासन एवं पुलिस के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिस मार्ग से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा, उसका पूर्व में सत्यापन कर लें। जिले में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए

रखने हेतु पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी। शांति एवं सांप्रदायिक सद्भाव के वातावरण में त्योहार मनाए जाने

के लिए सभी उपस्थित मुहर्रम समिति से अनुरोध किया गया। साथ ही जुलूस निकाले जाने के दिशा-निर्देशों एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं से सभी को अवगत कराया गया। सभी मुहर्रम समितियों को अपने 20-20 वोलेंटीयर की सूची संबंधित थाना प्रभारी से साझा करने, असाामाजिक तत्वों पर निगरानी को लेकर सक्रिय कमिटी मेंबर को दायित्व दिए जाने की बात कही गई।

भ्रामक सूचना की जानकारी प्रशासन को दें : सोशल मीडिया पर यदि किसी तरह की झूठी खबर या अफवाह फैलाई जाती है तो अविलंब इसकी सूचना नजदीकी थाना या प्रशासनिक पदाधिकारियों को देने की अपील की गई। संवेदनशील स्थानों पर

विशेष निगरानी रखी जाएगी, साथ ही सोशल मीडिया पर विशेष टीम नजर रखेगी, ताकि किसी भी प्रकार से सामाजिक सौहार्द के वातावरण को कोई शरारती तत्व बिगाड़ नहीं पावे। वाइकर्स गैंग तथा नशापान कर हुड़दंग मचाने वालों के विरुद्ध भी सख्ती का निर्देश दिया गया। इस मौके पर उपस्थित आयुक्त मनीष कुमार, सिटी सह ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, एडीएम (एसओआर) महेंद्र कुमार, निदेशक एनईपी अजय साव, एसडीएम घाटशिला, एलआरडीसी, जिला स्तरीय अन्य विभागीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी मौजूद रहे।

### केएमपीएम कॉलेज में फुटबॉल चैंपियनशिप

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित मिसेज केएमपीएम वॉकेशनल कॉलेज की ओर से शनिवार को अंतर विभागीय वार्षिक कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विज्ञान और वाणिज्य विभाग के बीच हुई। यह आयोजन कॉलेज के मेन रोड स्थित लाल भवन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेएम फाउंडेशन के वरिष्ठ प्रबंधक जीजू थॉमस थे। उन्होंने मैच के लिए टीम की सराहना की और उन्हें प्रेरित किया तथा टीम भावना के साथ खेलने के लिए कहा। कार्यक्रम के रेफरी झारखंड मिनी फुटबॉल अकादमी (जेएमएफए) के कोच परवेज खान थे। वाणिज्य विभाग ने 6-1 गोल से मैच जीत लिया। मैच ऑफ द मैच निखिल डे रहे। कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. मीता जाखनवाल ने विजेता टीम को बधाई दी तथा उपविजेता टीम को भी सराहना की।

## नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल पर छात्र की पिटाई का आरोप

JAMSHEDPUR : एमजीएम थाना क्षेत्र के डांग स्थित नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल में छठी कक्षा के एक छात्र की पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि जमशेदपुर के मानगो पोस्ट ऑफिस रोड निवासी चिंटू कुमार के पुत्र शुभम कुमार को स्कूल की प्रिंसिपल ने पीटकर खज्मी कर दिया। रात करीब 12 बजे घायल बच्चे को उसके पिता चिंटू कुमार इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे। बताया जाता है कि छात्र की पीट व गर्दन में चोट आई है। चिंटू कुमार ने बताया कि वे चालक का काम करते हैं। उनका बेटा सुबह स्कूल गया था। एसेंबली के दौरान क्लास टीचर लाइन लगा रही थीं। किसी कारण से उनका बेटा लाइन में नहीं लग सका। इससे नाराज होकर स्कूल



एमजीएम पहुंचा परिवार

की प्रिंसिपल ने शुभम कुमार की पीट व गर्दन के पीछे कोहनी से वार किया। बच्चा छुट्टी के बाद घर पहुंचा और इसकी जानकारी अपनी मां को दी। तब तक उसके पिता घर पर नहीं थे। रात में घर वापस लौटने पर एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे। उन्होंने मामले की जानकारी मीडिया को दी लेकिन पुलिस को सूचना नहीं दी गई है। इस मामले में स्कूल की प्रिंसिपल का पक्ष लेने का प्रयास किया गया लेकिन समाचार लिखे जाने तक पक्ष प्राप्त नहीं हुआ था।



# टांगी मारकर भाई-भाभी की हत्या

## सौतेली मां व भतीजे को किया जख्मी, आरोपी गिरफ्तार, जांच शुरू, इलाके में फैली सनसनी

**PHOTON NEWS KHUNTI :** खुंटी जिले में एक दिल दहला देनेवाली घटना सामने आई है। खुंटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयनारा झोरा टोली गांव में शुक्रवार की रात एक सौतेले भाई ने टांगी के प्रहार से भाई-भाभी की हत्या कर डाली। वहीं, भतीजे तथा सौतेली मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया। भाई-भाभी का हत्यारा उसी परिवार का लूटो मल्लाह नाम का व्यक्ति है।

**गिरफ्तार, भेजा गया जेल :** पुलिस ने एक्शन लेते हुए लूटो नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतकों के नाम सुकरा मल्लाह (48) व उसकी पत्नी बिरसमनी मलाइन (45) हैं जबकि जो घायल हुए हैं उनके नाम मृतक का सुकरा का बेटा राजो मल्लाह (25) और सुकरा की मां मंगरी मलाइन (70) है। इन सभी पर बांस की बल्ली तथा

**आंकड़ों और कागजों से बाहर निकलकर जमीन पर दिखने वाला करें कार्य: उपायुक्त**

**PALAMU :** राज्य शिक्षा परियोजना पलामू के तत्वावधान में दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन में स्कूल रूआर-2024 का जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त शशि रंजन ने की। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गादेव झा व जिला शिक्षा अधीक्षक रणधीर कुजूर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। संचालन शिक्षक परशुराम ने किया। मौके पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि कार्य ऐसा हो कि वह आंकड़ों व कागजों से बाहर निकलकर जमीन पर दिखाई दे। शिक्षा बच्चों का मौलिक व अनिवार्य अधिकार है और यह उसे हर हाल में मिलना चाहिए। यह तभी संभव होगा जब हर भागीदार अपना योगदान ईमानदारी से दें। उन्होंने बच्चों को अनुशासन सिखाने पर बल दिया।

## आदित्यपुर के तटीय इलाकों को बाढ़ से बचाने के लिए चम्पाई को सौंपा जापन

### नगर निगम के पूर्व उप महापौर पुरेंद्र नारायण सिंह ने की मांग

**PHOTON NEWS SARAİKELA :** सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के तटीय इलाकों को खड़कई नदी के बाढ़ और कटाव से बचाने के लिए आवश्यक पहल करने की मांग की गई है। पूर्व उप महापौर पुरेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में आदित्यपुर-गम्हरिया विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को स्वर्णरेखा आईबी में जल संसाधन मंत्री चम्पाई सोरेन से मिलकर एक जापन सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री को बताया कि खरकई नदी का जलस्तर बढ़ने या बाढ़ आने की स्थिति में आदित्यपुर नगर निगम के तटीय इलाकों यथा-आसगी, बंतानगर एबीसी जोन,

टांगी से हमला किया गया है। घटना की सूचना पाकर एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा, इंस्पेक्टर अशोक सिंह, थाना प्रभारी विकास जायसवाल घटना स्थल पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं घर पर ही छुपे आरोपी लूटो मल्लाह को टांगी के साथ गिरफ्तार करने के बाद उसे जेल भेज दिया।

**दोनों भाई बिहार में ईंट भट्टे पर करते थे मजदूरी :** बताया जाता है कि करीब नौ महीने तक वहां काम सौतेले भाई सुकरा मल्लाह व लूटो मल्लाह बिहार के बाहपुर में किसी ईंट भट्टे में मजदूरी करने गए थे। दोनों में सामान्य बातचीत हो रही है लेकिन बातचीत करते-करते अचानक लूटो ने घर में रखे बांस की बल्ली उठा ली और उससे सुकरा को पीटने लगा। यह देखकर उसकी पत्नी बिरसमनी बीच बचाव करने आयी। लूटो



घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

**विवाद :** बाजार से नशा करने के बाद घर लौटने पर दोनों सौतेले भाई आंगन में बातचीत कर रहे थे। शुरू में तो घरवालों को लगा कि दोनों में सामान्य बातचीत हो रही है लेकिन बातचीत करते-करते अचानक लूटो ने घर में रखे बांस की बल्ली उठा ली और उससे सुकरा को पीटने लगा। यह देखकर उसकी पत्नी बिरसमनी बीच बचाव करने आयी। लूटो

बिरसमनी को भी मारने लगा। इसी बीच उसने घर में रखे टांगी को उठा लिया। उसी टांगी से पति-पत्नी के गले व सर पर जोरदार प्रहार कर लहलुहान कर दिया। इसके बाद लूटो टांगी को लेकर सुकरा के बेटा राजो मल्लाह व बहु आशा मलाइन के कमरे में घुस गया और राजो को भी मार मार लहलुहान कर दिया। छोटे बच्चे को लेकर झाड़ी में

**जा छिपी राजो की बहु :** इसी बीच सुकरा के बेटा राजो मल्लाह की बहु आशा मलाइन को मौका मिल गया। वह अपने 3 साल व डेढ़ साल के दोनों बच्चे को उठा कर घर से भाग निकली। बाहर जाकर एक झाड़ी में जा के छिप गई। लूटो उसको ढूंढ़ नहीं पाया इसलिए आशा व उसके बच्चों की जान बच गई। हालांकि लूटो जब आशा का पीछा कर रहा था तो रास्ते में सुकरा की मां मंगरी मलाइन मिल गयी जिसे भी मार कर घायल कर दिया। जिसके बाद लूटो टांगी को लेकर सुकरा के कमरे में जाकर एक कोने में दुबक कर छुप गया।

**हत्या के बाद कमरे में दुबक गया आरोपी :** सुकरा की बहु आशा मलाइन ने झाड़ियों से निकल कर बाहर आकर ग्रामीणों को हत्या की खबर दी। ग्रामीण इकट्ठे होकर उसके घर पहुंचे लेकिन किसी भी हिम्मत नहीं हो रही थी कि लूटो

को पकड़ सके। इधर तब तक दंपति की मौत हो चुकी थी। इसके बाद लोगों ने रनिया थाने की पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना पाकर घर में छुप कर बैठे आरोपित लूटो को बाहर निकाला। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके साथ टंगिया व बांस की बल्ली को बरामद कर लिया गया। घायल राजो मल्लाह व मंगरी मलाइन को रेफरल अस्पताल भेज दिया गया।

**घर में मचा कोहराम :** परिवार के लोगों ने जब लहलुहान शवों को देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पूरे परिवार में कोहराम मचा गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी मिलते ही आस पड़ोस के लोग भी इकट्ठे हो गए। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ है। उधर, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

**पलामू में शराब के नशे में दो पक्ष भिड़े, चाकू से गोदकर युवक की हत्या**

**PALAMU :** डालतनगंज शहर थाना क्षेत्र के दो नंबर टाउन में शराब के नशे में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान चाकू से गोदकर विकास कुमार की हत्या कर दी गयी जबकि उसका भाई भोला भुइयां गंभीर रूप से घायल है। उसे एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में विकास के परिजनों के बयान पर दो नंबर टाउन के ही रहने वाले चार लोगों के खिलाफ शनिवार को नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। आरोपितों में विहारी भुइयां, उसकी पत्नी आशा देवी, बेटा मनीष एवं पवना भुइयां शामिल हैं। घटना के बाद से चारों फरार बताये जाते हैं। घटना बुधवार रात की है। बताया जाता है कि एक पक्ष से विकास कुमार भुइयां एवं भोला भुइयां जबकि दूसरे पक्ष से विहारी भुइयां एवं उसके परिवार के सदस्यों के बीच विवाद हुआ।

## गुमला में लूटपाट और छिनतई के तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

**PHOTON NEWS GUMLA :** जिले की रायडीह थाना पुलिस ने शनिवार को लूटपाट और छिनतई करने वाले गिरोह के तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में जारी थाना क्षेत्र के महेन्द्र पन्ना उर्फ कांडा, गुमला थाना क्षेत्र के रॉबिन्सन भगत उर्फ तुफानी बाबा और रायडीह थाना क्षेत्र के बिरेन्द्र खड़िया शामिल हैं। इनकी निशानदेही एक देशी कट्टा, चार गोली, 10 हजार रुपये, दो मोबाइल और घटना में प्रयुक्त बाइक पुलिस ने बरामद किया है। बीरेंद्र खड़िया दो माह पूर्व रंगवारी मामले में जेल से जमानत पर निकला था। पुलिस के अनुसार मुकेश कुमार गुना के लिखित आवेदन पर रायडीह थाना में



जानकारी देते पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

अज्ञात के विरुद्ध 60 हजार रुपये एवं दो गोबाईल लूट लेने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। मामले का उद्देदन के लिए गुमला एसपी के आदेश पर चैनपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर महेन्द्र पन्ना उर्फ कांडा को पकड़ा गया। पृष्ठताछ करने पर कांड में सलिपता पाये जाने पर गिरफ्तार

किया गया। महेन्द्र की निशानदेही पर लूटा गया दोनो मोबाइल बरामद किया गया। साथ ही उसके बयान पर रॉबिन्सन भगत उर्फ तुफानी बाबा और बिरेन्द्र खड़िया को गिरफ्तार किया गया। रॉबिन्सन भगत उर्फ तुफानी बाबा के घर से एक देशी कट्टा, चार गोली, घटना में प्रयुक्त बाइक तथा बिरेन्द्र खड़िया के घर से लूटा गया 10 हजार रुपये बरामद किया गया।

**सरायकेला में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ाया, चालक फरार**

**SARAİKELA :** खनन विभाग की टीम ने शनिवार भोर चार बजे गुप्त सूचना के आधार पर आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया स्थित सापड़ा के गौरी घाट, केपीएस मोड़ और कांडा थाना क्षेत्र अंतर्गत मानीकुई घाट पर छापेमारी अभियान चलाया। हालांकि, इस दौरान खनन विभाग के हाथ कुछ नहीं लगा। छापेमारी कर लूट रही टीम ने कांडा-सरायकेला मार्ग पर एक अवैध बालू लदा बिना नंबर के ट्रैक्टर को रोका। ट्रैक्टर चालक से कागजात मांगे जाने पर वह वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। तत्पश्चात टीम ने ट्रैक्टर को जब्त करते हुए सरायकेला थाना के हवालते कर दिया। जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सत्यथी ने बताया कि छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

## लोहरदगा के किस्को में जल्द खुलेगी आदिवासी लाइब्रेरी

### बीआईटी सिंदरी से पासआउट इंजीनियरिंग छात्रों की पहल

**PHOTON NEWS LOHARDAGA :** किस्को प्रखंड में नशा पान की ओर बढ़ते आदिवासी युवकों को नशा से रोककर शिक्षा से जोड़ने को लेकर और गांव में ही सभी तरह की शिक्षा को संपूर्ण व्यवस्था करने को लेकर गांव के युवाओं द्वारा पहल की जा रही है। इससे आदिवासी युवक-युवती भी विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में बेहतर मुकाम हासिल आगे बढ़ें। इस अभियान में बीआईटी सिंदरी धनवाद से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर 2013 में पास आउट तीसिया दूमर टोली के युवकों द्वारा कार्य किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आदिवासी युवक-युवती का भविष्य संभालना है। आदिवासी युवा मैट्रिक व इंटर



निर्माणधीन लाइब्रेरी • फोटोन न्यूज

पढ़ाई के बाद बाहर के राज्यों में पलायन कर जाते हैं और मजदूर का काम करते हैं। जैसे बच्चों को सशक्त बनाकर उनका बेहतर भविष्य को गढ़ने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। किस्को प्रखंड अंतर्गत सूदूरवर्ती क्षेत्र के तिसिया दूमर टोली के आदिवासी गांव टोलों में 2022 में पहली बैठक कर शिक्षा का महत्व पर चर्चा करते हुए लोगों में जिज्ञासा पैदा की और एक वर्ष तक

## लोहरदगा में राष्ट्रीय लोक अदालत में 1837 मामलों का निष्पादन

**LOHARDAGA :** राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सौजन्य से सिविल कोर्ट परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डालसा अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय, डालसा उपाध्यक्ष सह उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पाँक्सो के स्पेशल जज अखिलेश तुवार, बार के अध्यक्ष प्रमोद पितायी एवं अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बताया गया कि इस बार

## लोहरदगा में राष्ट्रीय लोक अदालत में 1837 मामलों का निष्पादन



दीप प्रज्वलित करते अतिथि • फोटोन न्यूज

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल सात बेचो का गठन किया गया था। पीडीजे ने कहा कि लोहरदगा के गरीब जनता को ध्यान में रखते हुए विभाग के अधिकारी नरमी बरतें। लोक अदालत के सफल संचालन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार अपनी पूरी टीम के साथ मुस्तैद रहे। इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1837 केंसों का निष्पादन किया गया जबकि 2.66 करोड़ रुपये की वसूली अर्थदंड के रूप में की गई।

## मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना सभी जिलों से हटिया पहुंचे यात्री, भारत गौरव ट्रेन से हुए रवाना

### गोवा की तीर्थ यात्रा पर निकला ईसाई धर्मावलंबियों का समूह

**PHOTON NEWS RANCHI :** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत शनिवार को पूरे राज्य से ईसाई धर्मावलंबी शनिवार को गोवा की तीर्थ यात्रा पर रवाना हुए। इसमें राज्य के अलग-अलग जिलों से बस द्वारा यात्रियों को रांची स्थित हटिया रेलवे स्टेशन भेजा गया है। यह यात्रा 13 जुलाई से 19 जुलाई तक भारत गौरव ट्रेन के माध्यम से गोवा के तीर्थ स्थलों का भ्रमण कराएगी। हटिया स्टेशन से मुख्यमंत्री, मंत्री, अल्पसंख्यक पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा शनिवार को झारखंड के विभिन्न जिला से आए तीर्थ यात्रियों को गोवा के लिए रवाना किया जाएगा। इनकी सहायता के लिए नोडल पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं, जो पूरी यात्रा में उनके साथ रहेंगे। इसके लिए लगभग दो माह पूर्व आवेदन मांगे गए थे।

**बोकारो से तीर्थ यात्री रवाना**



रवाना होते दल के साथ अधिकारी

**BOKARO :** बोकारो से निकली तीर्थयात्रियों की बस को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरिजा शंकर प्रसाद एवं जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले उप विकास आयुक्त ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से लाभांशित लाभुकों से बातचीत करते हुए उनका हालचाल जाना और शुभकामनाएं दीं।

**जमशेदपुर से गए 70 तीर्थयात्री**



दल को रवाना करते डीडीसी

**JAMSHEDPUR :** झारखंड सरकार के टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तत्वाधान में पूर्वी सिंहभूम के 70 ईसाई धर्मावलंबियों (अटेंडर सहित) का दल शनिवार को गोवा की तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुआ। समाहरणालय परिसर से उपविकास आयुक्त मनीष कुमार ने सुबह 9 बजे बस को रवाना किया। उप विकास आयुक्त ने मंगलमय यात्रा की शुभकामना दी।

**लातेहार से गए 15 तीर्थयात्री**



बस में सवार होने की तैयारी में दल

**LATEHAR :** लातेहार जिला से शनिवार को 15 ईसाई तीर्थयात्रियों का जल्दा गोवा के लिए रवाना किया गया। जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने सभी तीर्थ यात्रियों को शुभकामना देकर रवाना किया। इसके बाद 20 जुलाई को हिंदू तीर्थ यात्रियों को झारिका भेजा जाएगा। इस मौके पर जिला खेल कार्यालय के पर्यटन विशेषज्ञ अभिजीत कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

**हजारीबाग से 15 लोग निकले**



हरी झंडी दिखाते अधिकारी • फोटोन न्यूज

**HAZARIBAG :** शनिवार को समाहरणालय परिसर से बस द्वारा हटिया रेलवे स्टेशन तक के लिए रवाना हुआ। पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा आयोजित इस तीर्थ दर्शन योजना की रवानगी को लेकर जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी ने बस को झंडी दिखाकर रवाना किया। हजारीबाग जिला से 15 लोग गये हैं।



## पाक दौरे पर उहापोह

अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होने वाले चैंपियन्स ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में टीम इंडिया के वहां जाने को लेकर जिस तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं, उसने एक बार फिर इन दोनों पड़ोसी देशों के आपसी रिश्तों के तनाव को सार्वजनिक कर दिया है। हालांकि, बीसीसीआई से पहले केंद्र सरकार को यह निर्णय लेना है कि भारतीय टीम को वहां जाने की इजाजत दी भी जाए या नहीं, पर चूंकि 2008 के मुंबई हमले के बाद से ही दोनों देशों के रिश्तों में खटास यथावत बनी हुई है, इसलिए टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने को लेकर कयासबाजी जारी है और सूत्रों के हवाले से दायें किए जा रहे हैं कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी से यह कहा है कि इस टूर्नामेंट के तहत टीम इंडिया के मैच श्रीलंका या दुबई में आयोजित किए जाएं। दरअसल, पाकिस्तान की मेजबानी में हुए पिछले एशिया कप टूर्नामेंट में भी भारत के मैच हाईब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में खेले गए थे। इसी से ताजा अटकलों को आधार मिला है। भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों में क्रिकेट को लेकर एक खास तरह का जुनून है और दोनों के आपसी क्रिकेट मैच को लेकर तो जवदस्त उत्साह रहता है। निम्सदिह, वहां भी भारतीय क्रिकेटर्स के मुरीदों की कोई कमी नहीं और भारत में भी कई पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के खेल को लोग खुलकर सराहते हैं। मगर कोई भी खेल या खिलाड़ी राष्ट्र-निर्पेक्ष नहीं होता। ऐसे में, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उचित सवाल उठाया है कि आखिर पाकिस्तान ने भारत से रिश्ते सुधारने को लेकर ऐसा क्या किया है कि हमारी टीम वहां जाए? हम ही रिश्ते सुधारने की जिम्मेदारी अकेले क्यों उठाए? जम्मू-कश्मीर में आज भी वह दहशतवादी को खाद-पानी मुहैया करा रहा है। हाल के आतंकी हमले इसके ठोस प्रमाण हैं। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि एक तरफ हम अपने जवानों को गंवाते रहें और दूसरी ओर, पाकिस्तान जाकर हमारे क्रिकेटर अपने खेल से लोगों का मनोरंजन करें? पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की माली हालत उसके मुल्क की आर्थिक स्थिति की तरह ही खस्ताहाल है और इसलिए वह आईसीसी से लगातार गुजारिश करता रहा है कि वह बीसीसीआई को कायल करे कि दोनों देशों के क्रिकेट रिश्ते बहाल हो जाएं। मगर यह तभी मुमकिन होगा, जब पाकिस्तानी सरकार इमानदार पहल करेगी। फिर सवाल हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा का भी है। जैसे कि व्यारे हैं, वह टूर्नामेंट कराची, रावलपिंडी और लाहौर में होना है। पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की हालत किसी से छिपी नहीं है। वहां भारत के प्रति पारंपरिक वैर-भाव से पोषित लोगों की भी कोई कमी नहीं है। ऐसे में, पाकिस्तान सरकार हमारे क्रिकेटर्स की सुरक्षा देने की गारंटी पर कितनी खरी उतर पाएगी, यह भी संदिग्ध है। इस पृष्ठभूमि में किसी तीसरे देश में हाईब्रिड मॉडल के तहत खेलने का सुझाव एक सुरक्षित विकल्प है। बहरहाल, पाकिस्तान को यह समझने की जरूरत है कि वह किसी अन्य देश पर तोहमत मढ़ने की स्थिति में नहीं है।

## पश्चिम बंगाल में टकराव

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने दो पुलिस अधिकारियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई की रिपोर्ट तलब करके राजभवन एवं राज्य सरकार के बीच टकराव और बढ़ा दिया है। उन्होंने कोलकाता नगर पुलिस आयुक्त विनोद गोवल और पुलिस उपआयुक्त इंदिरा मुखर्जी द्वारा अनुचित आचरण किये जाने, जैसा कि वह मानते हैं, के बारे में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा है। राज्यपाल इस बात से व्यथित हैं कि राजभवन की एक कर्मचारी द्वारा उनके खिलाफ की गयी कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत की जांच के संबंध में इन अधिकारियों ने टिप्पणियां कीं। बोस को संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत कानूनी कार्रवाइयों से मिली छूट के मद्देनजर, शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी है, लेकिन यह विवादित मुद्दा बन गया है क्योंकि राज्यपाल का मानना है कि पुलिस अधिकारियों ने एक ऐसी जांच के बारे में बोलकर आचरण के नियमों का उल्लंघन किया है जिसे शुरू किया जा जारी रखा नहीं जा सकता। उनकी बेचैनी इसलिए भी है कि उनका मानना है कि आयुक्त ने चुनाव-बाद हिंसा की शिकायत लेकर आये लोगों के एक समूह को उनसे मिलने से रोक दिया था, जबकि वह उनसे मिलने को राजी थी। राज्यपाल ने एक महिला को सार्वजनिक रूप से निर्वस्त्र किये जाने, एक जोड़े को छड़ी से पीटे जाने और भीड़ की हिंसा की दूसरी घटनाओं के संबंध में की गयी कार्रवाई पर रिपोर्ट भी मांगी है, जो निम्सदिह एक जायज मांग है। अनुच्छेद 167 के तहत राज्यपाल को राज्य सरकार से सूचना मांगने का वास्तव में अधिकार है। केंद्रीय सेवा के अधिकारी जब राज्य की सेवा में होते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सामान्यतः राज्य सरकारों के दायरे में आती है। क्या यह कार्रवाई राज्यपाल या केंद्र सरकार के आग्रह पर शुरू की जा सकती है, यह पूरी तरह एक अलग सवाल है। बोस ने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत से जुड़ी परिस्थितियों का हवाला इस तर्क के लिए दिया है कि यह एक गढ़ा हुआ आरोप है, जो पुलिस द्वारा उत्प्रेरित और सुगम बनाया गया है। हालांकि, अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग करके ऐसे मुद्दों को तूल देना किसी के हित में नहीं हो सकता। ऐसे समय में जब राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के बीच व्यक्तिगत झगड़े और संस्थागत टकराव बढ़ रहे हैं, इस घटनाक्रम को एक और गतिबंध के रूप में देखे जाने की संभावना है जो राज्यपालों द्वारा निर्वाचित सरकारों को कमजोर करने की कोशिश के तहत राजभवन के राजनीतिकरण से जुड़ा है।

## Social Media Corner

सब के हक में...

विधानसभा उपनुाव के सकारात्मक परिणाम के लिए हम जनता के सामने नतमस्तक है। उन्होंने जहाँ-जहाँ कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट किया, इसके लिए उनका तहेदिल से धन्यवाद व आभार। विपरीत परिस्थितियों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रयासों के लिए हम उनका अभिवादन करते हैं। ये जीत द्यार्ता है कि जनता ने भाजपा के अहंकार, कुशासन और नकारात्मक राजनीति को अब सिर से नकार दिया है। यह मोदी-शाह जी के गिरते राजनीतिक साख का भी प्रबल प्रमाण है।

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में हो रही बांग्लादेशी घुसपैट सिर्फ क्षेत्रीय मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है... आज दिन बांग्लादेशी घुसपैटियों आदिवासी भाई बहनों की जमीन और संसाधनों पर कब्जा जमाकर झारखंड को जिहादखंड बनाना चाहते हैं और राज्य सरकार न सिर्फ इस संवेदनशील मामले पर चुपठी साधे है, बल्कि अवैध घुसपैटियों को सामने भी मद्दद कर रही है। जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार द्वारा हाईकोर्ट के आदेश की लगातार धिजियायें उड़ाई जा रही है। आदिवासी समाज के जल जंगल जमीन की कीमत लगाई जा रही है। अवैध घुसपैटियों को वोट बैंक की राजनीति करने के लिए संरक्षण दिया जा रहा है। ऐसी झारखंडविरोधी टापबंधन सरकार का समय निकट आ गया है। इन पैसों के घ्यासे, नफरत की दुकान के संचालकों को सबक सिखाने के लिए जनता बेखरीब से आगामी चुनाव का इंतजार कर रही है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

## ANALYSIS



प्रियंका सौरभ

स्कूली विद्यार्थियों को कम उम्र में ऐतिहासिक घटनाओं और संघर्षों की आक्रामकता के संपर्क में लाना उन्हें संकट में डाल सकता है। स्कूली पाठ्यक्रम में शिक्षा के अनुचित चरणों में ऐतिहासिक संघर्षों का परिचय, बच्चों के दिमाग में व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की कमी की धारणा को अमर कर सकता है। एक संतुलित कथा बच्चों के दिमाग में दुश्मनी और पूर्वाग्रह पैदा करने के जोखिम को कम करती है। एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दर्शाता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। एक

नसीईआरटी कक्षा छह से दस तक की इतिहास, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर रहा है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली में शिक्षण सामग्री का संशोधन पाठ्यक्रम के लिए समान होना चाहिए। लेकिन भारत में स्कूली पाठ्यक्रम हमेशा नवीनतम शोध के साथ तालमेल बनाए रखते हैं। पक्षपातपूर्ण या संकीर्ण दृष्टिकोण से बचने के लिए स्वतंत्रता के बाद से, हमारी स्कूली पाठ्यपुस्तकें अकसर कला, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास में भारत की प्रगति को मान्यता देने से बचती हैं। पहले की पाठ्यपुस्तकें भारतीय इतिहास के बारे में एक ऐसा दृष्टिकोण बनाती हैं जो विश्व की सभ्यता पर भारत के गहन प्रभाव को दबा देती है। इसके परिणामस्वरूप हमारी राष्ट्रीय पहचान और ऐतिहासिक कथा के बारे में एक विषम धारणा बनती है। स्कूली विद्यार्थियों को कम उम्र में ऐतिहासिक घटनाओं और संघर्षों की आक्रामकता के संपर्क में लाना उन्हें संकट में डाल सकता है। स्कूली पाठ्यक्रम में शिक्षा के अनुचित चरणों में ऐतिहासिक संघर्षों का परिचय, बच्चों के दिमाग में व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की कमी की धारणा को अमर कर सकता है। एक संतुलित कथा बच्चों के दिमाग में दुश्मनी और पूर्वाग्रह पैदा करने के जोखिम को कम करती है। एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दर्शाता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक



संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। स्कूली छात्रों को एक संतुलित इतिहास पढ़ाना जो संघर्ष-आधारित कथाओं को कम करता है, उन्हें भारत की विरासत के बारे में बेहतर जानकारी के साथ जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण नागरिक बनने में सक्षम बनाता है। ऐसी पाठ्य पुस्तकें बच्चों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक आधार बनाती हैं, जो भविष्य के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए आवश्यक है। संतुलित कथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने का कोई भी प्रयास अंत नहीं बल्कि एक शुरुआत है। छात्रों को ऐसी संतुलित पाठ्यपुस्तकों से जो आधार मिलता है, वह उन्हें बाद के वर्षों में एक गहरी ऐतिहासिक समझ बनाने में मदद करेगा। स्कूली पाठ्यपुस्तकों को छात्रों की उभरती जरूरतों को पूरा करने में उत्तरदायी होने के लिए

बदलते समय के साथ तालमेल बिचाने की जरूरत है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तान्तों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तान्त का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उद्धृत इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर के इतिहास को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाया जा रहा है, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तान्त

की सहायता से सदैव छुपाने का प्रयास रहता है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तान्तों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तान्त का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उद्धृत इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर के इतिहास को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाया जा रहा है, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तान्त

एकपक्षीय दृष्टिकोण से आगे बढ़कर चिंतन और तार्किक पाठ्यक्रम का विकास किया जाए। एनसीईआरटी से अपेक्षा है कि वह वर्तमान विवाद से अग्रभावि रहते हुए छात्रों के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित पाठ्यक्रम का विकास करेगी, न कि तथ्यों के चयन में छत्रों को उलझाएगी। पाठ्य पुस्तकें किसी देश की सरकार द्वारा दिया गया आधिकारिक कथन होती हैं। इस रूप में ये वैचारिक या सैद्धांतिक परियोजना होती है। इतिहास और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का पुनरीक्षण जैसे भी अधिक संवेदनशील होता है। ये विषय समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों पर विचार करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्हें सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को इतिहास के पलड़े पर तैलकर, इतिहास और वर्तमान के बीच तार्किक सामंजस्य बनाना सिखाते हैं। इन पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थी देश-विदेश के सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर अपने विचार बनाने का प्रयत्न करती हैं। एनसीईआरटी की मूल पुस्तकों को इसी विचार के साथ रूप दिया गया था। कुल मिलाकर पाठ्यपुस्तकों से हटाई जाने वाली सामग्री, भारत के भूतकाल और वर्तमान की नकारात्मक धारणा पर आधारित है। यह मानसिकता समावेशी, तार्किक, सुसंगत और विद्यार्थी अनुकूल संस्करण को लाना असंभव था, क्योंकि रचना में एक सकारात्मक गुण है, जिसे राजनीतिक ताकतें अकसर कम आंकी हैं।

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

# हिंदुत्व, भारतीय राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पहचान

हिंदुत्व ऐसी अवधारणा है जो भारतीय समाज और राजनीति में गहरी जड़ें जमाए हुए है। यह शब्द केवल एक धार्मिक विचारधारा का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि एक जीवन दर्शन, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय चेतना का भी प्रतीक है। हिंदुत्व को समझने के लिए, जैसा कि कहा गया है, व्यक्ति को सर्वप्रथम 'स्व' को जागृत करना होगा। यह आत्म-जागृति की प्रक्रिया न केवल व्यक्तिगत स्तर पर महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज और राष्ट्र के स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिंदुत्व की अवधारणा को समझने के लिए, हमें इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक आयामों का गहन अध्ययन करना होगा। यह विचारधारा भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन ज्ञान और परंपराओं से उत्पन्न हुई है, लेकिन समय के साथ इसने कई परिवर्तन और विकास देखे हैं। आधुनिक संदर्भ में, हिंदुत्वने एक राजनीतिक और

सामाजिक आंदोलन का रूप ले लिया है, जो भारतीय राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पहचान के विचारों को आगे बढ़ाता है। हिंदुत्व की अवधारणा को समझने के लिए, हमें सबसे पहले इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना होगा। हिंदुत्व शब्द का प्रयोग 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में शुरू हुआ, लेकिन इसकी जड़ें भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन इतिहास में गहरी हैं। यह शब्द 'हिन्दू' और 'तत्त्व' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है 'हिन्दू होने का सा' या 'हिन्दू विचारधारा का मूल तत्व'। हालांकि, यह केवल धार्मिक प्रथाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सांस्कृतिक और दार्शनिक दृष्टिकोण है जो जीवन के सभी पहलुओं को समाहित करता है। हिंदुत्व की अवधारणा को समझने के लिए व्यक्ति को अपने आंतरिक स्व को जागृत करना आवश्यक है। यह आत्म जागरण की प्रक्रिया है जो व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने में मदद

करती है। हिन्दू दर्शन में, यह माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति में एक दिव्य चेतना निहित है, जिसे आत्मा कहा जाता है। इस आत्मा की पहचान और इसके साथ तादात्म्य स्थापित करना ही हिन्दुत्वका मूल लक्ष्य है। हिन्दुत्व में आत्म जागरण की प्रक्रिया कई चरणों से गुजरती है। सबसे पहले, व्यक्ति को अपने वर्तमान स्थिति के प्रति जागरूक होना पड़ता है। यह जागरूकता न केवल बाहरी परिस्थितियों के प्रति होती है, बल्कि अपने आंतरिक विचारों, भावनाओं और प्रवृत्तियों के प्रति भी होती है। इस जागरूकता के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में मौजूद असंतुलन और अशांति के कारणों को समझ सकता है। दूसरा चरण है स्वयं के प्रति इमानदार होना। हिन्दुत्व में यह माना जाता है कि सत्य की खोज ही मोक्ष या आत्मज्ञान का मार्ग है। इसलिए व्यक्ति को अपनी कमजोरियों, भयों और अहंकार को स्वीकार करना सीखना चाहिए। यह स्वीकृति ही आगे के विकास का

आधार बनती है। तीसरा चरण है आत्मसुधार की प्रक्रिया। एक बार जब व्यक्ति अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार कर लेता है, तो वह उन क्षेत्रों पर काम कर सकता है जहां सुधार की आवश्यकता है। यह सुधार शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक सभी स्तरों पर होना चाहिए। हिन्दुत्व में योग, ध्यान, और विभिन्न साधनाओं का महत्व इसी कारण से है, क्योंकि ये प्रथाएं व्यक्ति को समग्र विकास में सहायता करती हैं। चौथा चरण है सेवा और त्याग का मार्ग। हिन्दुत्वमें यह माना जाता है कि वास्तविक आत्मज्ञान तभी संभव है जब व्यक्ति अपने अहंकार से ऊपर उठकर दूसरों की सेवा में लग जाए। यह सेवा भौतिक रूप में हो सकती है, जैसे गरीबों की मदद करना, या आध्यात्मिक रूप में, जैसे दूसरों को ज्ञान देना। त्याग का अर्थ है अपने स्वार्थ को छोड़कर बृहतर हित के लिए कार्य करना। पांचवां और अंतिम चरण है आत्म साक्षात्कार या मोक्ष की प्राप्ति।

यह वह अवस्था है जहां व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान लेता है और उसके साथ एकाकार हो जाता है। हिन्दुत्वमें यही जीवन का परम लक्ष्य माना जाता है। हिन्दुत्व को समझने के लिए व्यक्ति को इन सभी चरणों से गुजरना पड़ता है। यह एक लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा हो सकती है, लेकिन यह एक ऐसी यात्रा है जो व्यक्ति को अपने सच्चे स्वरूप तक ले जाती है। हिन्दुत्व की एक महत्वपूर्ण अवधारणा है 'यद्युधैव कुरुन्मक' अर्थात् 'पूरा विश्व पर प्रभुत्व है।' यह विचार व्यक्ति को अपने संकीर्ण दृष्टिकोण से बाहर निकलकर एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करता है। जब व्यक्ति समझता है कि वह इस विशाल ब्रह्मांड का एक अंश है, तो उसके अंदर करुणा और प्रेम का भाव जागृत होता है। यह भाव न केवल अन्य मनुष्यों के प्रति होता है, बल्कि सभी जीवों और प्रकृति के प्रति भी होता है। हिन्दुत्व में प्रकृति के साथ सामंजस्य का विशेष महत्व है।

यह माना जाता है कि प्रकृति ईश्वर का ही एक रूप है और इसलिए इसका सम्मान और संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। यह दृष्टिकोण व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाता है और उसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। हिन्दुत्व में कर्म का सिद्धांत एक केंद्रीय स्थान रखता है। इस सिद्धांत के अनुसार, हमारे प्रत्येक कार्य का एक परिणाम होता है, और ये परिणाम न केवल इस जन्म में बल्कि आने वाले जन्मों में भी हमें प्रभावित करते हैं। यह सिद्धांत व्यक्ति को अपने कर्मों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाता है। यह उसे यह समझने में मदद करता है कि उसके वर्तमान जीवन की परिस्थितियां उसके पूर्व कर्मों का परिणाम हैं, और उसके वर्तमान कर्म उसके भविष्य को आकार देंगे। हिन्दुत्व में धर्म का अर्थ केवल धार्मिक प्रथाओं तक सीमित नहीं है। यहां धर्म का अर्थ है 'जो धारण करता है' या 'जो सृष्टि को एक साथ बांधे रखता है'।



## What Modi can learn from Sunak

RISHI Sunak and his Conservative Party badly lost the parliamentary elections in the UK last week. He was gracious in defeat. "I can hear your anger. I take responsibility for the loss to the many good, hardworking candidates," he said. He resigned as the Prime Minister immediately after the expected verdict was announced. The next day, he resigned as the leader of the Conservative Party, leaving the field open to ambitious politicians to vie for the top job in the party. Considering that only 36.56 per cent of the voters supported the BJP this time, he should listen to the voices of those who voted against his party.

Sunak's stature in my eyes, at least, and I am sure in the eyes of Indians who think and feel, went up by several notches. I compared his reaction to the defeat to that of our own popular Prime Minister when the BJP lost 60 seats in the Lok Sabha compared to its 2019 tally of 303.

Narendra Modi had set his sights on winning 400 seats this time. He had launched several infrastructure projects, traversed the length and breadth of the country in his peripatetic fervour, and inaugurated the Ram Janmabhoomi temple in Ayodhya all by himself. All his efforts were in vain. His party lost ground in Uttar Pradesh and, wonder of wonders, the BJP lost the Ayodhya seat to Akhilesh Yadav's Samajwadi Party.

But our Prime Minister is made of sterner stuff than our former colonial master's ex-PM. Modi did not mention 'defeat' even once. He claimed victory for the NDA. His pre-poll tieup with Chandrababu Naidu's TDP and the mercurial Nitish Kumar's JD(U) took the BJP-led alliance past the halfway mark. Modi began his cherished third term without batting an eyelid. For him, it was business as usual. He showed no discomfort at the BJP's below-par show in the Lok Sabha elections and did not think it necessary to offer any explanation to his party members for what can only be described as his personal failure as the BJP fought the elections in his name. Sunak is of Indian origin. His family has its roots in Punjab. His wife, Akshata Murthy, is the daughter of Narayan Murthy, the founder of Infosys. Her roots are in Karnataka. They hail from the same stock as Modi and millions of Indians. Yet, Sunak's reaction to a setback in his career was diametrically opposite to that of Modi. Sunak is a practising Hindu. It is obvious that he follows the essence of his religion. He was humble and penitent. He accepted responsibility for the defeat. The RSS should comment on this aspect of his personality and behaviour like it commented on Modi's without naming him. After all, the core teachings of the great religions in the world are similar. They all teach humility and reject arrogance. They disapprove of lies. They preach compassion and service without expectation of reward. Then, why do our desi politicians differ from our brethren who have migrated to other countries and achieved unbelievable recognition? Sunak became the Prime Minister of the country that ruled over us for two centuries or more. Kamala Harris, whose mother's family migrated to the US from Tamil Nadu, is the Vice-President of the world's most powerful country. Besides Indians seeking a better quality of life in the West, there are Indian-origin citizens of smaller countries in the world. Their ancestors had been recruited as indentured labour to work in the cotton and sugarcane fields in British-ruled colonies in the West Indies, Mauritius and Fiji. Starting with Sir Seewoosagar Ramgoolam, the Prime Ministers of Mauritius have been of Indian origin. Sir Vidiadhar Surajprasad Naipaul, whose origins are in a Dube family from a village in Uttar Pradesh, is acknowledged as one of the greatest writers in the English language. His family was transhipped to the West Indies two or more centuries ago. He won the Nobel Prize for Literature for his writings, including A House for Mr Biswas, An Area of Darkness and India:

## Russia, China keen on rapid BRICS expansion to counter West

Of the \$50 billion the US has committed for the semiconductor sector, \$11 billion will be spent on R&D. We see no such focus in India.

AMID Russia's chairmanship of BRICS, Beijing and Moscow are making efforts to rapidly expand the grouping and gain traction for the organisation to challenge Western domination. They aim to position BRICS as an upholder of the values of the Global South. BRICS has traditionally tried to find better economic avenues not dependent on the West. It is also an important effort for a multipolar world.

As many as 33 countries are waiting to join BRICS. This is a huge number. Since 2010, when South Africa joined BRICS, it remained a club of five countries — Brazil, Russia, India, China and South Africa. In 2023, during the South African chairmanship, six countries were invited to join the bloc: Argentina, Ethiopia, Egypt, Iran, Saudi Arabia and the UAE. Argentina withdrew, while Saudi Arabia has not ratified its membership. The criteria-based approach was ignored in this rush.

Among Ethiopia, Iran, the UAE and Egypt, there is a mix of pro- and anti-Western countries. But the dominant theme is how to join another pole in the emerging international order and seek greater economic opportunities for themselves.

Indonesia's reluctance to join the first expansion has left a gap in BRICS because no Southeast Asian country is a member so far. Indonesia, which was then the chair of ASEAN and had successfully helmed the G20 in 2022, was seen as an ideal partner. But it demurred. One reason was that it did not want to be a party to the international contestation between the US and China, assuming that it saw BRICS as a China-led grouping. Economically, Indonesia placed its bets on its application for the membership of the OECD (Organisation for Economic Cooperation and Development). Hence, it did not find BRICS equally attractive. Currently, there are three ASEAN countries seeking BRICS membership — Vietnam, Thailand and Malaysia. Public pronouncements by their leadership have varied. Thailand and Malaysia are more public about their efforts, while Vietnam, which recently hosted Russian President Vladimir Putin, has been discreet. Other applicants include Venezuela, Senegal, Cuba, Kazakhstan, Belarus, Bahrain and Pakistan.

Why this eagerness of ASEAN countries to join BRICS? They are not taking an ASEAN position on BRICS. Indonesia perhaps thought there should be an ASEAN point of view on BRICS before ASEAN members sought to join. On international issues like the Ukraine war and the Gaza crisis, there is minimal, if any,

common ASEAN view. Various ASEAN countries see BRICS as having political and economic influence, which has been significantly higher since the outbreak of the Ukraine crisis. Russia, China and India offer economic opportunities for trade and investment, which several applicants for BRICS membership think could benefit them. Thailand and Malaysia view their applications as a Global South initiative to seek a more determined international order where they could have a



bigger voice. They seek to leverage South-South cooperation, play a more proactive role through BRICS and participate in a more balanced international order. Prioritising multilateralism, strengthening the role of the countries of the South and enhancing economic opportunities are the main reasons cited.

Within Thailand and Malaysia, however, there are voices that challenge their governments' inclination towards BRICS. They aver that ASEAN has traditionally maintained its strategic autonomy, which, in real terms, has come to mean close economic engagement with China and a security understanding with the US-led Western bloc. The discomfort that ASEAN countries had with Quad has diminished, but that this would lead to a rush to join BRICS was unanticipated.

It is not as if Vietnam, Malaysia and Thailand had had similar voting patterns on the Ukraine crisis in the UN. They voted separately. Now, they are keen on BRICS membership, even though Russia and Iran are under US sanctions and China leads the anti-Western bloc.

When these countries' push for membership is challenged domestically on the grounds of strategic autonomy,

they revert to citing economic opportunities. However, this does not hold much water because Vietnam, Malaysia and Thailand are closely aligned with China in economic terms. For several years, Beijing has been their largest trading partner, and they are benefiting from the Belt and Road Initiative. They are all members of the Regional Comprehensive Economic Partnership, from which India withdrew in 2019. Yet, they are all members of the Indo-Pacific Economic Framework for

Prosperity, which is led by Quad countries. Vietnam is also a member of the Comprehensive and Progressive Agreement for Trans-Pacific Partnership, with several members from the Asia-Pacific; both China and Taiwan are among the applicants.

The changing of the guard in Indonesia will take place in October, when Gen Prabowo Subianto will take over the presidency from Joko Widodo. This is likely to see a shift in the Indonesian position as well. Indonesia may not be able to enter the BRICS fray in time for the summit in Russia in October, when Vietnam, Malaysia and Thailand will be considered, but it could very well be a subsequent applicant. Prabowo has a geopolitical sense of foreign policy and is unlikely to feel the constraints that Widodo felt, even when Indonesia was a natural

contender to join BRICS during the expansion in 2023. Overall, the entry of ASEAN nations into BRICS will improve its geographical coverage and bring countries in the ambit of India's Act East Policy into the grouping. India should have no difficulty in supporting Vietnam, Malaysia and Thailand for their entry into BRICS and Indonesia whenever it seeks to join. India has close ties with these countries. And the economic and political expansion of relations with them remains a keystone of India's Act East Policy. They are all friends of India and could benefit by balancing the composition of BRICS. However, all of them are close economic partners of China, whose left with their inclusion into BRICS would be clearly felt. India has been comfortable with the new members who have had good relations with it but prosperous economic partnerships with China.

Of the 33 current applicants, perhaps five to 10 that are acceptable to the others will be approved. ASEAN countries, with their wider reach and support from China, Russia and India, would perhaps find it easier to enter BRICS at this stage.

## NATO at it again

US, allies must avoid belligerent rhetoric

THROWING their weight behind Ukraine, NATO members have affirmed their commitment to supporting the war-torn country in 'building a force capable of defeating Russian aggression today and deterring it in the future'. The US and its allies have announced that they intend to provide a minimum baseline funding of 40 billion euros in military aid within the next year, adding that their alliance will continue to back Ukraine 'on its irreversible path to full Euro-Atlantic integration, including NATO membership'. The pledge is part of the declaration issued on Wednesday at the NATO summit in Washington. It is apparent that the Western bloc has no qualms about provoking Russia and prolonging the Ukraine war, which began in February 2022 and has caused the deaths of thousands of civilians. The push for Ukraine's NATO membership was the flashpoint that prompted Russian President Vladimir Putin to invade the neighbour. The irony is not lost on anyone:



NATO is adopting a holier-than-thou approach by solely blaming Russia for the war. Amid increasing domestic pressure on President Joe Biden to drop his

re-election bid, the US has declared that it will start deploying longer-range missiles in Germany in 2026 in a bid to counter the 'growing threat' Russia poses to Europe. This makes it clear that the West is unwilling to bring Russia to the negotiating table, a stark reality that was laid bare by Moscow's absence from the Ukraine peace summit hosted by Switzerland last month.

The US-led NATO has also not stopped short of riling China, calling it a 'decisive enabler' of Russia's war in Ukraine. Reacting sharply, Beijing has urged NATO to 'reflect on the root cause of the crisis and take concrete action to de-escalate rather than shift the blame'. Indeed, NATO would do well to introspect and shun belligerent rhetoric; otherwise, this can worsen the situation in eastern Europe and bring the world to the brink of a catastrophic conflagration.

## Flawed development models worsen flood misery

Delhi has realised that its interests are better served when its ties with Moscow are growing

THE monsoon is the cruellest season in India. One of the most terrifying experiences is to witness a river breach an embankment and instantly eat up swathes of land. I have reported on floods for decades; the fury of a cloudburst or a landslide or rising water level is almost incomparable. To see huge chunks of solid earth being devoured by a hungry tide is numbing.

After a scorching summer, a wave of floods is sweeping India from the north to the east and the west. About 49 million hectares (of 3,290 lakh hectares) of land are prone to floods in India. According to the National Disaster Management Authority, on an average every year, "75 lakh hectares of land is affected, 1,600 lives are lost and the damage caused to crops, houses and public utilities is Rs 1,805 crore due to floods." This year, at least 85 lives have been lost so far. Over 30.83 lakh people are affected, with 3,154 villages submerged and 49,014 hectares of crop area damaged. But the impact of floods is not a mere statistic.

Flood studies and reportage almost invariably miss out on the inequality and the cumulative loss. Typically, a flood story is about loss of home, cropland, livestock, relief camps, fleeing or dead wildlife, aerial survey by ministers and vox pops of survivors demanding more attention. As the water recedes, the attention shifts till the next monsoon, when the same low-lying areas will go under water. If you are lucky, the house is still standing but will need repairs. To get through another season without crops, one must borrow money. To feed too many mouths gets difficult, encouraging traffickers to take away children who drop out of school that turn into temporary shelters. The following year, the story repeats itself, and over a decade, each family is caught in an inescapable cycle of debt. In many cases, entire houses go under water and rehabilitation is rare as well as circuitous. It often strips families of every piece of possession without any help whatsoever. We are not even halfway through the monsoon and 27 districts of Assam are flooded; 18 lakh people are affected. Beyond

Dibrugarh in upper Assam, amid challenging logistics, the media coverage reduces. Cachar, one of the worst-affected, has not even received relief. A large section of flooded India remains invisible. Parts of Arunachal Pradesh are cut off, hampering relief efforts. The Army and the air force are routinely called in to help — such is the scale of devastation year after year. Roads are blocked and damaged. By the time the government can repair them, another wave hits the hills. This year, Manipur has been hit by floods, with the Imphal and Iril rivers breaching embankments. Flood warnings have been sounded in Bihar and a flood-like situation is being reported from north Bengal.

While rivers in the east are known to flood their plains, the misery that follows is largely created by flawed development models and corruption. Embankments are not adequately reinforced, leading to breaches. An alleged nexus between contractors and government agencies (earlier, armed groups were involved in many states) ends up doing a poor job. The bigger problem is persistent erosion that robs landmass. Since 1950, Assam has lost 7.4 per cent of its land.

I grew up in the hills, where the monsoon meant incessant rains, but it didn't trigger floods. Today, Indian hills and plains are both vulnerable. Mumbai city can't bear the monsoon downpour and New Delhi is thrown off gear with just one good shower. The hills of Uttarakhand and Himachal Pradesh are chipping away. The reasons are simple: hill-cutting, making tunnels across mountains, rampant illegal construction and unplanned city development with poor or no drainage system and no master plans for cities. Mumbai city was built by the reclamation of seven major islands connected by the



Mithi river that served for drainage. The river swells during the monsoon, flooding the city that reclaims more and more land for expansion. In the past 40 years, the city reclaimed double the land compared to the previous 300 years, reducing the width of the river dumped with waste, filled with slums and killing mangroves along the way while reinforcing the retaining wall. The sum result is a history of disastrous flooding, the worst recorded in 2005 that killed more than a thousand people. This monsoon, the city is again reporting floods drowning parts of it within hours of rain. While the 2005 Mumbai floods called attention to India's vulnerabilities in disaster management, no lessons seems to have been learnt. In 2023, the Yamuna

reached a record high of 208.66 metres, much above the level recorded during the last great flood in Delhi in 1978. It is well known how the Capital choked the great river by discharging polluted water, leading to siltation and a rise in the level of the riverbed. The normal flow of water is impeded, causing flooding of the city, which is always unprepared to deal with any amount of rainfall. Bengaluru urban and rural are the most flood-prone in all of South India, save a few places in Kerala. From 1969 to 2021, IMD (India Meteorological Department) data shows Bengaluru recorded more than 70 flood events almost entirely due to urbanisation. Today, the city has 250 flood hotspots and planners are still figuring out how to drain rainwater.

Chennai is also emerging as a city that can no longer manage rains, but it is telling how such disasters are embedded within inequality and settlements in low-lying areas. But the most dangerous destruction of the ecosystem leading to catastrophic floods is the unstable Himalayan belt of Uttarakhand and Himachal. Images of houses, roads and people being washed away is becoming a regular phenomenon. At least six districts of Uttar Pradesh are under threat from the water released in Uttarakhand. Sharda, Rapti and Gandak are flowing above the danger mark, affecting more than 20 villages.

The big picture is grim, and any long-term study or coverage on loss of human and animal lives is episodic. While weather conditions are beyond our control, early warning systems, community involvement and better planning of development projects and flood management are obvious ways to mitigate this annual disaster. Despite state governments' demand, floods are not yet a national calamity. Is it because they affect the most vulnerable of our population?



## Marut aims to create 500 drone entrepreneurs

**CHENNAI.** In a bid to expand its dealer network in Tamil Nadu and educate farmers by training them in drone operation, Marut Drones is aiming to create 500 drone entrepreneurs by 2024-end. With approval from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) for manufacturing small and medium drones, this initiative is expected to attract youngsters to pursue agriculture as a profession and become drone operators. The company claims by using drones for spraying fertilisers, farmers can potentially earn up to Rs 50,000-Rs 60,000 per month. Marut Drones is collaborating with Annamalai University to provide drone training. Adoption of drone technology among small-scale farmers will not only help in precision-spraying, but also reduce water and fertiliser application by 70%.

## Most tech professionals feel unfairly compensated, cite pay disparities

**BENGALURU.** More than 60% of tech professionals feel unfairly compensated, and they cite substantial pay disparities that underscore an urgent need for action. The 2024 Compensation and Benefits Survey by ANSR and Talent500 reveals that 65% of respondents perceive a significant gender-based pay gap, with 56% noting disparities of at least 25% across different roles.

Nearly 70% emphasise the critical role of Restricted Stock Units (RSUs) in fostering long-term commitment through equity-based incentives. The survey also reveals that beyond competitive salaries, personalised benefits and clear career development opportunities have become the key drivers of employee satisfaction and retention. The report highlights a major shift in priorities among tech talent, with 61% of respondents emphasising the importance of customisable health benefits programmes. 77% of them value hybrid work arrangements, urging companies to optimise benefits packages for hybrid work. "In today's dynamic talent market, flexibility has become a cornerstone of employee satisfaction and organisational success," said Vikram Ahuja, Co-Founder ANSR and CEO Talent500. "It's about crafting a holistic employee experience — one that cultivates purpose, growth, and well-being," he added. Tech professionals highlight the critical importance of Learning and Development (L&D) programs. Over 90% of respondents view career pathing and L&D initiatives as indispensable factors when assessing potential employers. Moreover, 81% of employees express a preference for mentorship programs and stretch roles, indicating a strong interest in career advancement and leadership opportunities.

## Quant Mutual Fund Confirms Sebi Raids, Says Data Collection 'Not Part of Any Regular Process'

**Quant Mutual Fund told investors via e-mail that data collected by Sebi was not part of any regular process but was part of a court-approved search and seizure operation with respect to any ongoing investigation initiated by Sebi.**

**NEW DELHI.** Weeks after Sebi's search-and-seizure at Quant Mutual Fund's offices, the company has confirmed the raids and said it was "not part of any regular process". The mutual fund house is under Sebi's investigation for a probable front-running case. In June, Sebi conducted search-and-seizure operations in the Delhi, Mumbai, and Hyderabad offices of Quant MF, reportedly linked to alleged profits estimated at Rs 20 crore. Sebi did not release any official information on the action. But, it was



reported in the media. Now, in an email to investors on July 13, Quant Mutual Fund said, "We would like to clarify that the data collected by the regulator was not part of any regular process but was part of a court-approved search and seizure operation with respect to any ongoing investigation initiated by Sebi."

In the FAQs Corrigendum on July 13, one of the questions was 'Has anyone been convicted?'. Responding to this, Quant MF said, "No. It is the regulator's job to collect and analyse data on an ongoing basis. We have not received any communication after initial enquiries." Earlier, Quant Mutual Fund had said in an email FAQ that the SEBI investigation was a regular ongoing process by the regulator to collect data and analyse it. Front-running refers to an illegal practice in the stock market where an entity trades based on advanced information from a broker or analyst before the information has been made available to its clients.

Quant Mutual Fund on Friday said its Chief Financial Officer Harshal Patel has resigned, and Shashi Kataria has been appointed to replace him with effect from July 1, 2024. It, however, said that the rejig was done on February 19, way before the Sebi action in June, and the last day of Patel was May 19.

# Promoters sell stakes worth Rs 1.1 lakh crore in 15 months amid stock market surge

**Mumbai** The big jump in valuations that the market and the companies are now commanding is enticing an increasing number of promoters — both local and multinational — and private equity (PE) funds to divest stakes and book bumper profits. In the last 15 months, Indian promoters have sold over Rs 1.12 lakh crore (Rs 82,005 crore in FY24 and Rs 35,588 crore in the first quarter of FY25) of equity through the secondary market. This is equivalent to the net systematic investment plan (SIP) inflow to mutual funds during this period. This is a big rise from Rs 45,448 crore share sales by promoters in FY23. In May alone, Indian and MNC promoters of 20 companies have sold up to 20 per cent of their stakes in the secondary market raising Rs 40,000 crore, according to a research report prepared by Axis Mutual Fund Chief Investment Officer Ashish Gupta.

The report also said only 6.6 per cent — around Rs 5,300 crore — of Rs 80,000 crore raised from the market was used for capital expenditure as two third was "offer for sale" from private equity

investors and promoters with money going to their coffers. The Sensex jumped by over 32 per cent, or 21,000 points, to over 80,000 since April 2023, sending stock valuations to new highs. This had prompted PE funds and promoters to book profits. Stake sale by MNC parents in past 15 months amounted to nearly Rs 74,000 crore (Rs 46,822 crore in FY24 and Rs 27,118 crore in Q1 of FY25) as against Rs 12,114 crore in FY23. "This is not surprising with nearly a dozen MNC subsidiaries in India today trading at four times the multiple their parents trade at in the home market," Gupta said. Secondary market sales by promoters and of private equity stakes since April 2022 has been Rs 4.42 lakh crore compared to gross SIP flows of Rs 3.96 lakh crore and overall net inflow of Rs 5.02 lakh crore into mutual funds, the report said. Gupta's report said private equity funds have arguably reaped the most benefits from rising equities. In the past 15 months, they have also divested Rs 1.15 lakh crore (Rs 79,812 crore in FY24 and Rs 35,558 crore in Q1 of FY25) worth of equity stakes in the secondary market, in



addition to the stakes offered in the initial public offerings (IPO). The accelerated pace of PE exits is reflected in the decline in net FDI over the past few years, with FDI outflows rising from Rs 2.25 lakh crore to Rs 3.40 lakh crore, the report said. The 91 IPOs that have come to the market in the past 15 months have raised Rs 80,000 crore. "Unlike in the past most of this raise has not been growth capital. Two-thirds of these have been 'offer for sale' from private equity investors and promoters. Of the remaining one-third, only 20 per cent of IPO proceeds are intended for capex and another 15 per cent raised by financial companies to

augment their lending capabilities," Gupta said. The IPO pipeline over the next few months is larger at another Rs 93,000 crore. "Private equity selling is likely to accelerate. These funds currently hold Rs 277,000 crore worth of stakes in listed companies and of these over Rs 217,000 crore are of more than 3-year vintage and therefore should be offered in the market sooner rather than later. In the coming months, pre-IPO locked in shares of the 91 recent IPOs will also come to the market given that on average these IPOs are up 79 per cent from their issue price," the report said. In addition, these funds have investments of Rs 4.67 lakh crore in companies that are still private. Of this, Rs 3.70 lakh crore is of more than three-year vintage. Assuming, 60 per cent of these are exited via the public market route and have MOIC (multiple of invested capital) of two times, and 50 per cent will be sold in IPOs these will be another Rs 2,24,000 crore of potential supply, it said. Stake sale by MNC parents in past 15 months amounted to nearly Rs 74,000 crore.

## HCL Q1 profit rises 20% to Rs 4,257 cr

**BENGALURU.** HCL Tech's June quarter performance beat Street estimates as the IT services firm posted a 20% year-on-year increase in its consolidated net profit at Rs 4,257 crore compared to Rs 3,534 crore in the year-ago period. Its revenue from operations in the first quarter was Rs 28,057 crore, up 6.7% compared to Rs 26,296 crore in the same quarter last year. The company retained its constant currency (CC) revenue growth guidance between 3% and 5% in FY25 and EBIT margin is expected to be between 18% and 19%. Briefing the media on outlook for Q2, C Vijayakumar, CEO & MD, HCLTech said, "In the second quarter, we expect to grow in all geographies and verticals except financial services. Even in manufacturing we expect to recover in Q2." Usually Q1 is a seasonally soft quarter for the company.

He added that Q2 will be a soft quarter for financial services after that we are confident of sequential growth in financial services. Its financial services was down 1.3% in Q1 and



manufacturing grew 3.5% YoY.

The CEO added that discretionary spending will be the same as last year and we continue to spend on Gen AI and other emerging technologies. "We clocked in \$2 billion TCV (total contract value) of new business bookings," he said. The CEO said there are over 200 Gen AI PoCs (proof of concepts) and several of them are going into production.

Roshni Nadar Malhotra, Chairperson, HCLTech, said, "With our future-ready portfolio, we are well placed to tap emerging opportunities led by GenAI." Prateek Aggarwal, CFO said, the

company delivered an INR revenue growth of 6.7% YoY, healthy given the global environment. EBIT margins came in at 17.1%, steady on YoY basis.

The company's headcount was reduced by 8,080 in the first quarter and it lost around 7,398 employees due to divestiture. It added 1,078 freshers in the June quarter and is likely to hire 10,000 freshers in FY25.

The company's chief people officer Ramachandran Sundararajan said the headcount is in line with what we have planned for and attrition level was at 12.8%, and we expect it to continue at similar levels. The company has announced many GenAI deal wins including a leading US-based financial services company selected HCLTech to build a GenAI platform with robust AI governance and LLM Ops. The company also announced that an APAC-based financial services major selected the company to help accelerate its enterprise-wide data and AI transformation.

## Retail inflation at 4-month high, industrial output up

**A quick analysis of the retail inflation data showed that the spike in June was largely due to a 14% month-on-month surge in vegetable prices, which clocked a 29.3% year-on-year growth.**



**NEW DELHI:** With high food prices refusing to ebb, the country's retail inflation in June increased to a four-month high of 5.08% from 4.75% in the previous month. According to government data released on Friday, food inflation surged to 9.4% for June, while the Consumer Price Index-based retail inflation crossed the 5% mark

after three months. Meanwhile, another set of data released on Friday showed that India's industrial output growth reached a seven-month high of 5.9% in May, up from 5% in April, on the back of a significant increase in electricity generation and production of consumer durables. However, manufacturing growth stood at a lower-than-expected 4.6%. A quick analysis of the retail inflation data showed that the spike in June was largely due to a

14% month-on-month surge in vegetable prices, which clocked a 29.3% year-on-year growth. The prices of pulses surged 16.1% in June from a year ago. "Inflation for sub-groups — eggs, spices, meat & fish and pulses & products — decreased as compared to May 2024," said a government release.

The Reserve Bank of India, which has the legal mandate to control inflation, has time and again expressed its discomfort with high food prices. In the previous month, food inflation was 8.7%, even as overall inflation had dropped to a 12-month low.

The data released by the National Statistical Office showed that rural inflation is higher at 5.66% urban inflation which came in at 4.39%. On the other hand, food inflation is higher in urban areas than in rural areas, the data showed.



improvement in the quality of information Memorandum. He also called for more disclosures in the Information Memorandum, which is a document released by the insolvency professional at the time of inviting Expression of Interest from interest resolution applicants.

The insolvency regulator said with little more effort from resolution professional, the recovery rate under IBC could increase from 32% to 40%. During the inaugural session Justice Ashok Bhusan, Chairperson, National Company Law Appellate Tribunal (NCLT), said that The landscape of insolvency and bankruptcy has evolved significantly, with the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) becoming pivotal in addressing corporate distress. He also praised the ICAI is playing a key role in understanding the intricacies and promoting best practices in this emerging landscape.

# India's Direct Tax Collection Grows 19.54% In FY 2024-25, Reaches Rs 5.74 Lakh Crore By July 11

**In FY 2024-25, the corporate tax collection stood at Rs 2,65,336 crore, showing a growth rate of 20.44 per cent compared to the previous year's Rs 2,20,297 crore.**

**New Delhi.** The net direct tax collection of the government registered a significant growth of 19.54 per cent in the financial year 2024-25, amounting to Rs 5,74,357 crore by July 11, highlighted the data by the income tax department. Last year, the net direct tax collection was Rs 4,80,458 crore. This represents a notable growth in direct tax collections over the one year. Moreover, the total refunds issued in FY 2024-25 amounted to Rs 70,902 crore, representing a significant surge of 64.49 per cent compared to the previous year. In FY 2023-24, the total tax refunds issued by the government were Rs 43,105 crore. The increase in tax refunds highlights the



government's efficiency in processing claims and providing timely relief to taxpayers.

### TRENDING NOW

The data also pointed out that the total gross direct tax collection has registered a growth of 23.24 per cent by July 11 in the financial year 2024-25, compared to the same period in FY 2023-24. The data highlighted that the gross direct

tax collection during the current financial year up to July 11 stands at Rs 6,45,259 crore from the Rs 5,23,563 crore collected during the same period in FY 2023-24. Direct tax, a type of tax imposed directly on individuals and entities based on their income or wealth, includes categories such as corporate tax, income tax, and securities tax. The breakdown of the individual components of direct taxes

reveals impressive growth rates across the board. In FY 2024-25, the corporate tax collection stood at Rs 2,65,336 crore, showing a growth rate of 20.44 per cent compared to the previous year's Rs 2,20,297 crore. This increase reflects improved corporate profitability and compliance.

Similarly, personal income tax collections have also seen a notable rise. By July 11, FY 2024-25, the collection reached Rs 3,61,862 crore, up by 22.76 per cent from Rs 2,94,764 crore during the same period in FY 2023-24. This growth in personal income tax indicates an increase in individual earnings and effective tax collection mechanisms.

Furthermore, the securities tax in the current financial year has surged to Rs 16,634 crore from Rs 7,285 crore during the last financial year in 2023-24, showcasing a more than twofold increase. This jump can be attributed to heightened market activity and increased trading volumes in the share market.

Overall, the direct tax collections for FY 2024-25 showed a positive growth trajectory across various tax categories.



# Fear of snakes and serpent guards of Jagannath's Ratna Bhandar

**Days before the opening of the inner secret chamber of Puri Jagannath Temple's Ratna Bhandar, the temple committee was looking for a skilled snake catcher. This, amid rumours of hissing sounds from the Bhitara Bhandar and legends that a group of serpents guard the valuables. What's the fact and myth?**

**New Delhi:** Be it the snake tales of the world's richest Sree Padmanabhaswamy Temple in Thiruvananthapuram, or the stories of dancing Burmese pythons guarding the relics of Gautam Buddha buried deep beneath the Mandalay temple's foundations, snakes and serpents have often been regarded as guardians of treasures. The talk of snakes coiled around the hidden riches has long been common in Hindu and Buddhist traditions. Mythology and movies like Naag Nagin (1989), too, have been full of such instances. The Ratna Bhandar of the Jagannath Temple, therefore, is no exception. There are legends of a group of serpents closely guarding the valuables of the Mahaprahu, Lord Jagannath, and the other deities of the temple in Puri.

**Snake Scare at Jagannath Temple Ahead of Ratna Bhandar Opening?**

Six years ago, in 2018, following an order from the Orissa High Court, a joint team



from the Archaeological Survey of India (ASI) and officials from Puri's Jagannath Temple ventured into the Ratna Bhandar to examine its structural condition. Outside, along with a buzzing crowd of devotees and rescue personnel, two expert snake catchers, specially called in from Bhubaneswar, stood ready to assist if needed. On the eve of the 2018 search, when sand artist Sudarsan Pattnaik, now a member of the temple committee, amplified the cause of the Ratna

Bhandar on the Puri beach, a snake found prominence in his artwork.

**SKILLED SNAKE CATCHERS TO BE DEPLOYED ON JULY 14**

Now, days ahead of the anticipated opening of the inner chamber of the Bhitara Bhandar of the Jagannath Temple on July 14, a report in The Times of India said the temple committee, apprehensive of a threat from reptiles of all sizes, was on the "hunt for a skilled snake charmer". The snake charmer will be deployed in the Ratna Bhandar, when the Bhitara Bhandar, or the inner secret chamber, is opened for the first time since 1985, on Sunday (July 14). A team of doctors will also be on standby with a medicine kit, prepared for any exigency.

"Though we are curious to know the types of ancient valuables in Ratna Bhandar, we are equally scared of the possible presence of snakes, said a servitor on the committee that proposed to the BJP government to open Ratna Bhandar, reported The Times of India

on July 11. "Since it is an age-old temple, there are small holes and cracks in several places. There is a possibility of snakes slithering into Ratna Bhandar through holes," another servitor, Harekrushna Mahapatra, said. His remarks were based on the sightings of snakes in the Jagannath temple's periphery during the recent Jagannath Heritage Corridor Project work.

**SNAKES IN RATNA BHANDAR: A MYTH OR REALITY?**

Given the cautious stance of the Jagannath Temple Committee, claims of hissing sounds from the Ratna Bhandar and rumours of the presence of snakes in the Bhitara Bhandar, what do experts have to say about the claims? "These are just rumours and there is nothing like this in the Ratna Bhandar," former temple administrator Bhaskar Mishra tells IndiaToday.In. He junks all claims of serpents guarding the Bhitara Bhandar, which has chests full of valuables, including the crowns and thrones of kings.

## Case Filed Over Obscene Online Comments On Captain Anshuman Singh's Wife

**New Delhi:** Delhi Police's Intelligence Fusion and Strategic Operation (IFSO) cell has registered an FIR over an alleged lewd remark made on the widow of Kirti Chakra Captain Anshuman Singh on social media platform X, officials said on Saturday. The National Commission for Women (NCW) on Monday took a suo motu cognisance and filed a complaint before Delhi Police regarding the matter. According to a police officer, the FIR has been registered at the IFSO unit under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita act and Information Technology (IT) Act.

The social media platform has also been contacted to provide details about the handle that allegedly passed the lewd comment, he said.

In a letter issued on Monday, the NCW referenced specific legal provisions that the comment violates, including Section 79 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, which penalises acts intended to insult the modesty of a woman, and Section 67 of the IT Act, 2000, which deals with the punishment for publishing or transmitting obscene material in electronic form. The commission also demanded a fair and timely investigation into the matter and requested a detailed action taken report (ATR) within three days.

## Keeping Non-Muslim Kids In Madrasas Violates Fundamental Rights: Child Rights Body Chief

**New Delhi:** The Chairperson of the National Commission for Protection of Child Rights (NCPCR), Priyank Kanoongo, has expressed concern about children's rights, particularly of non-Muslim children in madrasas. In a post on X, Priyank Kanoongo said, "Madrasas are centres for imparting Islamic religious education and are outside the boundaries of the Right to Education Act. In such a situation, keeping Hindu and other non-Muslim children in madrasas is not only a violation of their Fundamental, Constitutional Rights but can also become a reason for spreading religious animosity in society. Therefore, @NCPCR\_ has urged all state governments to admit Hindu children studying in Madrasas to schools so that they can get the right to basic education as per the Constitution and also make arrangements to provide Muslim children religious knowledge along with the right to education."

"In this regard, the Chief Secretary of the State Government of Uttar Pradesh had issued an order in accordance with the recommendation of the Commission," he added.

Further, Priyank Kanoongo said in his post on X, "It has been learnt through newspapers that an Islamic organisation called Jamiat-Ulema-e-Hind is spreading rumours about this order issued by the Chief Secretary and misleading people." They are also working to incite the sentiments of the general public against the government. This is an organisation of Islamic clerics, a branch of Madrasa Darul Uloom Deoband, against which the Commission has taken action for supporting Ghazwa-e-Hind." He also mentioned, "It is noteworthy that last year, communal harmony was harmed due to the incident of changing the identity of a missing Hindu child and conversion by circumcision in a madrasa running in a village adjacent to Deoband in Uttar Pradesh. This action is also necessary to prevent such incidents." He also mentioned the Religious Freedom Act in his post, which is in force in Uttar Pradesh, and said no one should violate the religious freedom of children.

"I request the public with folded hands that this is a matter of children's rights; do not get misled by any fundamentalist fanatic and participate in building a better future for children," he said. "A separate request is being made to the government for action against those spreading rumours," he added in his post.

## Centre amends rules to give more power to Jammu and Kashmir Lt Governor

**New Delhi:** The Ministry of Home Affairs has amended the rules of the Jammu and Kashmir Reorganisation Act 2019, giving more power to Lieutenant Governor Manoj Sinha amid speculation of assembly polls being held in the Union Territory soon.

This effectively means any elected government in the Union Territory will have limited powers when it comes to critical matters, including internal security, transfers, prosecution, and appointment of government lawyers, including the Attorney-General.

"No proposal which requires previous concurrence of the Finance Department with regard to police, public order, AIS and ACB to exercise the discretion of the Lt Governor under the Act shall be concurred or rejected unless it has been placed before the Lt

Governor through the Chief Secretary," the notification said.

The Department of Law, Justice and Parliamentary Affairs will submit the proposal for the appointment of an Advocate-General and other law officers to assist the Advocate-General in the court proceedings, for getting approval from the Lt Governor through the Chief Secretary and the Chief Minister. The proposal regarding grant or refusal of prosecution sanction or filing of appeal will be placed before the Lt Governor through the Chief Secretary by the Department of Law, according to the notification. The Ministry of Home Affairs has amended the transaction of business of the Government of Union Territory of Jammu and Kashmir Rules 2019. On July 5, sources told India Today that the

Jammu and Kashmir Assembly polls would be held after the Amarnath Yatra, which concludes on August 19. Meanwhile, Union Home Minister Amit Shah held a key BJP meeting and asked leaders from the region to prepare for the election, sources said. Sources privy to the development confirm that Assembly election will be held in Jammu and Kashmir soon and the change in business rules is another indication of what's in store for the Union Territory as far as the governance model in a post-election scenario is concerned.

Major parties like the National Conference (NC) and the People's Democratic Party (PDP) termed the Centre's action an attempt to turn an elected government into a municipal council.

## Mehbooba Mufti claims 'house arrest' on Martyrs' Day, shares pic of locked gate

**New Delhi:** Former Jammu and Kashmir chief ministers Omar Abdullah and Mehbooba Mufti claimed that they were put under house arrest to prevent them from visiting Mazar-e-Shuhada on Kashmir Martyrs' Day. Mehbooba Mufti, president of the Peoples Democratic Party, took to X to share images of her residence's gate being locked. "The gates of my house have been locked up yet again to prevent me from visiting Mazar-e-Shuhada - an enduring symbol of Kashmir's resistance and resilience against authoritarianism, oppression and injustice. The sacrifice of our martyrs is a testament that the spirit of Kashmiris cannot be crushed," she said.

"Today even observing it in remembrance of the protesters martyred on this day has been criminalised," Mufti tweeted. Each year on July 13, leaders of all mainstream parties visit Mazar-e-Shuhada in Srinagar to pay homage to 22



## Centre Considers Just Handing Over MTNL Operations To BSNL, Avoid Merger

**New Delhi:** The government is considering the option of handing over operations of Mahanagar Telephone Nigam Ltd (MTNL) to BSNL through an agreement, instead of pursuing a merger route, a source privy to the development said.

A final call on this is likely to be taken in a month's time. The source told Press Trust of India that the option of handing over debt-laden MTNL's operations to Bharat Sanchar Nigam Ltd (BSNL) through an agreement is being looked into. The source said that given MTNL's high debt, a merger with BSNL was not a favourable option.

Once the decision is taken, the proposal would be placed before the Committee of Secretaries, and thereafter taken to the Cabinet. Amid mounting financial woes, MTNL this week informed in a statutory filing that it is unable to make

interest payment to certain bondholders "due to insufficient funds". "The second semi annual interest with regard to 7.59 per cent MTNL's bond series... is due on July 20, 2024. As per the structured payment mechanism of Tripartite agreement (TPA) signed among MTNL, Department of Telecom and Beacon Trusteeship Ltd, MTNL has to fund the semi-annual interest into the Escrow account with adequate amount 10 days before the due date," it said. In

view of the provisions of TPA, it is informed that due to insufficient funds, MTNL could not fund the Escrow account with adequate amount, the corporation said in the BSE filing.

While MTNL offers services in Delhi and Mumbai, BSNL runs all India operations (except Delhi and Mumbai). Even as private telcos like Reliance Jio and Bharti Airtel have scaled their subscriber tally in past months capitalising on Indian users' massive appetite for data and voice services, the customer base of MTNL has been dwindling - from just 4.66 million (wireless and wireline) in January-March 2023 to 4.1 million a year later. MTNL's losses mounted to ? 3,267.5 crore in FY24 from ? 2,915.1 crore in FY23. Revenue from operations in last fiscal year was ? 798.56 crore, down 14.6 per cent from a year ago.



## Bypoll results: INDIA jolts BJP, wins 4 of 13 assembly seats, ahead in 7

**New Delhi:** Kamlesh Thakur, wife of Himachal Pradesh Chief Minister Sukhvinder Sukhu and the INDIA bloc's candidate, won the Dehra assembly by-election on her poll debut. Meanwhile, the Aam Aadmi Party (AAP) secured the Jalandhar West constituency in Punjab while the Trinamool Congress bagged two seats in Bengal. The opposition INDIA bloc looked set to give the ruling BJP a jolt in the by-elections for 13 seats across seven states. The INDIA bloc is leading in 7 of the rest 9 seats. The bypolls are being considered as a litmus test for the BJP, which is reeling from the rude shock of failing to clear the majority mark in last month's Lok Sabha elections. The counting of votes began at 8 am at key constituencies in West Bengal, Uttarakhand, Madhya Pradesh, Himachal Pradesh, Tamil Nadu, Punjab and Bihar. The fiercely contested bypolls, that took place on July 10, are the first since the Lok Sabha election, with the ruling BJP and the opposition INDIA

bloc, comprising Congress, Trinamool Congress, DMK and the Aam Aadmi Party, vying for the seats. In Punjab's Jalandhar West seat, AAP's Mohinder Bhagat defeated his nearest rival and Congress nominee Surinder Kaur by 37,325 votes. Bypolls were announced in the constituency after Sheetal Angural, the AAP legislator, jumped ship to the BJP. The hill state of Himachal Pradesh was witnessing a Congress surge, with the ruling party's candidates putting up a strong show in all three seats that went to bypolls. Chief Minister Sukhvinder Sukhu congratulated his wife Kamlesh Thakur for her win in Dehra. Thakur beat her nearest rival, BJP's Hoshiyar Singh, by a margin of 9,399 votes. In the Hamirpur seat, Congress's Pushpinder Verma was ahead by 1,707 votes against BJP candidate Ashish Sharma. Hardeep Singh Bawa of the Congress was also leading by 1,571 votes against the BJP's KL Thakur in Nalagarh. All three BJP

candidates used to be independent legislators, who resigned from the Himachal assembly after voting for the saffron party in the Rajya Sabha polls earlier this year. In West Bengal, where



Mamatabala Thakur, is set to be the youngest member of the Bengal assembly. Congress candidate Qazi Nizamuddin was ahead in Uttarakhand's Manglaur with 12,540 votes, followed by BSP nominee Ubedur Rehman, and the BJP's Gujjar leader Kartar Singh Bhadana a distant third. The constituency had witnessed violence on the day of polling. n Badrinath, Congress newcomer Lakhpat Singh Butola was leading. He is facing off against BJP's Rajendra Bhandari.

The ruling DMK's candidate Anniyur Siva (alias Sivashanmugam A) was leading in the Vikravandi assembly constituency in Tamil Nadu in early trends. He is pitted against C Anbumani and Naam Tamilar Katchi's K Abinaya. In Bihar, JD(U)'s Kaladhhar Prasad Mandal was leading by 2,433 votes over his nearest rival, an independent candidate, in the Rupauli bypoll. RJD nominee Bima Bharti was in third place with 2,359 votes.



## NEWS BOX

## Joe Biden says Kamala Harris is 'qualified to be president'

Washington. US President Joe Biden on Thursday said his deputy, Vice President Kamala Harris, is "qualified" to lead the country. At a high-stake press conference here on Thursday, Biden said, "From the very beginning, I made no bones about that. She is qualified to be the president. That's why I picked her." When asked about the reasons for this, he said "Firstly because of the way she's handled the issue of freedom of women's bodies, to have control of their bodies and secondly, her ability to handle almost any issue on the board." "This was a hell of a prosecutor. She was a first-rate person and in the Senate, she was really good. I wouldn't have picked her unless I thought she was qualified to be the president," Biden said.

Harris, 59, is the first woman, the first Black American, and the first South Asian American to be elected as US Vice President in 2020. Biden's remarks on Harris came amidst growing calls for the 81-year-old to step aside from the race for the White House in November since he stumbled through a TV debate with his Republican rival Donald Trump last month. The president mistakenly referred to Kamala Harris as former president Trump during the press conference. He said, "I wouldn't have picked Trump to be the vice president, did I think she was not qualified to be president? The fact is that the consideration is that I think I'm the most qualified person to run for president. I beat him once and I will beat him again," Biden said. "The idea that senators and congressmen are running for office worrying about the ticket is not unusual. And I might add, there were at least five presidents running or incumbent presidents who had lower numbers than I have now later in a campaign," he said. So, there's a long way to go in this campaign and so I'm just going to keep moving. Biden, the presumptive candidate of the Democratic Party, said.

## Russian assassination plots against those supporting Ukraine uncovered in Europe, official says

WASHINGTON. Western intelligence agencies have uncovered Russian plots to carry out assassinations, arson and other sabotage in Europe against companies and people linked to support for Ukraine's military - one of the most serious being a plan to kill the head of a German arms manufacturer, a Western government official said. The plots have sometimes involved recruiting common criminals in foreign countries to conduct the attacks, said the official, who is familiar with the situation but not authorized to comment and spoke on the condition of anonymity. One major plot recently uncovered had targeted Armin Papperger, CEO of defense company Rheinmetall, the official said. The official declined to offer any details on other plots, which were first reported by CNN. The CNN report said the US informed Germany, whose security services were able to protect Papperger and foil the plot. Rheinmetall is a major supplier of military technology and artillery rounds for Ukraine as it fights off Russian forces. The company last month opened an armored vehicle maintenance and repair facility in western Ukraine and also aims to start production inside the country. White House National Security Council spokesperson Adrienne Watson declined to comment on the alleged plot to kill Papperger but said, "Russia's intensifying campaign of subversion is something that we are taking extremely seriously and have been intently focused on over the past few months."

"The United States has been discussing this issue with our Nato allies, and we are actively working together to expose and disrupt these activities," Watson added. "We have also been clear that Russia's actions will not deter allies from continuing to support Ukraine."

Neither Rheinmetall nor the German government would comment Friday on the reported plot against Papperger. The Interior Ministry can't comment on "individual threat situations," spokesperson Maximilian Kall said, but he added that more broadly, "we take the significantly increased threat from Russian aggression very seriously."

## 'Cosmic ballet': Nasa unveils stunning images of two galaxies merging in space

World. Nasa on Friday unveiled a set of images of two galaxies merging in sort of a "cosmic ballet". The galaxies, affectionately named the Penguin and the Egg, are located 326 million light-years away in the constellation Hydra. The release of these images marked the second anniversary of the telescope's first scientific results. The image was taken by the James Webb Space Telescope which was launched in 2021 and began collecting the data since that year. Since becoming operational, Webb has observed galaxies teeming with stars that formed within a few hundred million years of the Big Bang event that marked the beginning of the universe about 13.8 billion years ago. "We see two galaxies, each a collection of billions of stars. The galaxies are in the process of merging. That's a common way that galaxies like our own build up over time, to grow from small galaxies - like those that Webb has found shortly after the Big Bang - into mature galaxies like our own Milky Way," Reuters quoted Jane Rigby, Nasa Webb senior project scientist, as saying. The Penguin and Egg galaxies, collectively known as Arp 142, are shown in the images connected by a haze of stars and gas as they slowly merge. The Penguin galaxy, formally called NGC 2936, is a distorted spiral galaxy, while the Egg galaxy, NGC 2937, is a compact elliptical galaxy. Their interaction began between 25 and 75 million years ago, and they are expected to become a single galaxy in hundreds of millions of years. Webb has made significant contributions to the understanding of the universe, detecting the earliest known galaxies and providing insights into exoplanet composition and star-forming regions. "This mission has allowed us to look back to the most distant galaxies ever observed and understand the very early universe in a new way," said Mark Clampin, astrophysics division director at NASA headquarters. "For example, with Webb, we've found that these very early galaxies are more massive and brighter than we expected, posing the question: How did they get so big so quickly?" As the largest and most powerful telescope ever put in space, Webb specialises in capturing infrared light, allowing it to see through dust and gas and examine the composition of exoplanet atmospheres with unprecedented detail.

## Obama, Pelosi Spoke Privately About How Hard It Has Become For Biden To Defeat Trump: Report

Neither Barack Obama nor Nancy Pelosi are sure about what they should do next as Biden faces a mutiny from within the Democrats.

Washington D.C. Former US president Barack Obama and former US House of Representatives speaker Nancy Pelosi this week privately discussed their growing concerns regarding US President Joe Biden's re-election campaign. A report by US broadcaster CNN said that both discussed how tough it is getting for 81-year-old Biden to beat his rival and predecessor Donald Trump. The report also said that they are unsure regarding what to do next as a growing number of "very connected Democrats" devise a plan to get Biden to drop out of the race. The report also said that several Democrats have urged Obama and Pelosi



behind the scenes to ensure that no more damage is done to the party ahead of the November elections. Two weeks after a disastrous debate night where Biden struggled to keep up with his rival Donald Trump, more than 15 Democratic lawmakers have called for Biden to step aside. Many more kept their newfound alarm about Biden semi-private. Mega-

donors froze in the moment. Democratic voices from Congress to the intelligentsia to the streets pitched in to tell the president he should go. He said hell no. However, some Democrats are hoping that Biden himself reaches the decision of bowing out of the race and Nancy Pelosi has hinted that she thinks on similar lines when she indicated Biden still has a

decision to make on whether to run, even though the president has made it clear he remains in the race. One Democratic senator and 16 House Democrats have publicly called on Biden to drop out of the race. Biden tried to make the case that what he's doing matters more than how he talks about it during his latest press conference, a test he avoided throughout this year. During his press conference, in a slip-up he referred to Vice President Kamala Harris as "Vice President Trump," saying he picked her because he believed she could beat Trump. Even before the news conference, Biden had bungled an important name at the NATO summit and instantly lowered expectations for his performance. "Ladies and gentlemen, President Putin," Biden said as he was introducing Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy, who is most definitely not Russian President Vladimir Putin. The gaffe immediately prompted gasps, as Biden caught himself and said to Zelenskyy: "President Putin? You're going to beat President Putin."

## Actor Alec Baldwin cries in court as judge dismisses 'Rust' shooting case

Los Angeles. Alec Baldwin's trial for involuntary manslaughter collapsed in spectacular fashion on Friday (local time) as a judge found key evidence over a fatal shooting on the set of "Rust" had been withheld from the defence, and dismissed the case. Judge Mary Marlowe Sommer, presiding over the trial in Santa Fe, New Mexico, said bullets potentially linked to the death of cinematographer Halyna Hutchins that could have been favourable to Baldwin's case had not been shared with his lawyers by police and prosecutors. The Hollywood A-list immediately burst into tears, as the case -- which could have seen him sentenced to 18 months in prison if found guilty -- was abruptly tossed out in sensational scenes. "The state's willful withholding of this information was intentional and deliberate. If this conduct does not rise to the level of bad faith, it certainly comes so near to bad faith as to show signs of scorching prejudice," said Marlowe Sommer. "The court concludes that this conduct is highly prejudicial to the defendant."



Baldwin was holding a gun in the direction of Hutchins during a rehearsal in October 2021 when the weapon fired, killing Hutchins and wounding the film's director. The movie's armorer Hannah Gutierrez, who loaded the fatal weapon, is already serving 18 months in prison for involuntary manslaughter. Baldwin was facing the same charge. Prosecutors claim he ignored basic gun safety laws and acted recklessly on set. Baldwin's celebrity lawyer Alex Spiro argued the actor had no responsibility for checking the weapon's deadly contents and did not know it contained live rounds. But the defence's case also

rested heavily on discrediting the police investigation. And Spiro on Thursday introduced evidence that live bullets potentially linked to the shooting had been handed to police, but not disclosed to Baldwin's lawyers.

## 'BURIED'

The bullets were handed to police by a "Good Samaritan" earlier this year, more than two years after the "Rust" tragedy. The "Good Samaritan" was a former police officer and a family friend of Gutierrez, the armorer. He told police the bullets matched the rounds that killed Hutchins. Spiro accused police of having "buried" evidence by not filing it under the "Rust" case, depriving the defence of a chance to see it. "It was a perfect plan," he told the court. Crime scene technician Marissa Poppell, under questioning from Spiro, said she had catalogued the bullets, but had been told not to file them under the "Rust" case. Special prosecutor Kari Morrissey scrambled to respond, telling the court she had never seen or heard of the bullets before this week.

## Elon Musk makes 'sizeable' donation to Donald Trump's campaign

World. Tesla CEO and X chairperson Elon Musk, a known critic of US President Joe Biden, has made a "sizeable" donation to a political group working to elect Republican Donald Trump to the White House, according to a Bloomberg report. While the exact amount donated is not known, sources said it was "sizeable". Musk, who had previously said he would not spend money on either Trump or Biden, has donated to a group called America PAC (political action committee). The PAC will disclose its list of donors on Monday (July 15). The development has grabbed attention as Elon Musk, a South African immigrant to the US, donated to a candidate known for strict anti-immigration policies and views. The billionaire has,



however, not publicly endorsed any candidate so far. The donation from Musk comes at a time when Trump has overtaken Joe Biden in fundraising with backing from Wall Street and corporate donors, Bloomberg reported. Biden's own fundraising bid has tapered following a shaky presidential debate with Trump that has ignited his health concerns. Even

Democrats have publicly asked Biden to drop his re-election bid. Trump, who is expected to be officially nominated as the Republican Party's candidate for the November 5 US polls, had a meeting with Musk and other donors in March.

Two months later, he denied media reports that suggested he might be roped in for an advisory role if Trump becomes president. "Musk knows Trump is a sucker who will sell America out, cutting his taxes while raising taxes on the middle class by \$2,500. Joe Biden has been standing up to people like Elon and fighting for the middle class his entire career -- and it's why he'll win in November," Reuters quoted Biden's campaign spokesperson James Singer as saying.

## Amid calls to quit race, Biden tells supporters, 'I promise you, I'm ok'

Detroit, UPDATED. Seeking to revive his struggling re-election campaign, President Joe Biden held a rare rally in Detroit on Friday (local time), telling a cheering crowd he wasn't going to leave the race and warning that Republican Donald Trump poses a serious threat. Biden, 81, is trying to shift the conversation from his mental sharpness and a growing number of Democratic defections to the impact of another Trump presidency, as he tries to reboot his campaign after a shaky debate performance on June 27. "I am running and we're going to win," he said to a crowd that carried "Motown is Joetown" signs and chanted, "Don't you quit." "I'm the nominee," he said. "I'm not going anywhere." Pointing to the press area in the gym, Biden said, "They've been hammering me," to which the crowd boomed. "Guess what, Donald Trump has got a free pass," he added. "Hopefully with age comes a little wisdom," Biden said, in a defiant and sometimes gleeful performance. "Here's what I know - I know how to tell the truth, I know right from wrong and I know Americans want a president, not a dictator." Biden also laid out what he intended to do with his first



100 days of a second term, including codifying abortion rights, signing the John Lewis Voting Rights Act, ending medical debt, raising the minimum wage and banning assault weapons. These sweeping changes would be difficult or

impossible without Democratic majorities in both houses of Congress.

While union and religious leaders attended, Michigan's governor Gretchen Whitmer and its Democratic senators, Debbie Stabenow and Gary Peters, did

not. Earlier on Friday, Biden made a surprise stop at a restaurant in a Detroit suburb, where he told diners he planned to "finish the job," and said, "I promise you. I'm okay." Biden got a boost on Friday when two prominent Democrats - Representative James Clyburn and California Governor Gavin Newsom - said he should stay in the race. On Friday afternoon, United Auto Workers president Shawn Fain, who had previously said he was worried about the president's chances, praised Biden for standing "with the working class," without using his name. But there were signs that his support was weakening elsewhere, as two more lawmakers called on him to drop out. "It is time to move forward. With a new leader," Representative Mike Levin, from California, said in a statement. Levin, like many others who have called on Biden to leave the race, faces a competitive re-election battle of his own this year. Since the debate, at least 19 lawmakers have urged Biden to step aside, so the party can pick another candidate, as have some donors, Hollywood stars, activist groups and news outlets.





## NEWS BOX

## Novak Djokovic tips Carlos Alcaraz to win grand slams with cheeky Wimbledon admission

**UPDATED** Novak Djokovic has tipped Carlos Alcaraz to win more grand slams but is hoping that he doesn't start his run by beating him in the Wimbledon 2024 final on Sunday, July 14. Djokovic and Alcaraz are all set for a rematch of last year's final after the Serbian defeated Lorenzo Musetti in straight sets. Last year, Djokovic was defeated by Alcaraz in a five-set thriller. Since then, the Serbian has beaten Alcaraz in the US Open final. Speaking after his win against Musetti, Djokovic praised Alcaraz for leading a well-balanced life on and off the field and hailed him as one of the greatest 21-year-olds the sport has ever seen. The Serbian expects Alcaraz to be a serial winner in the sport going forward.

## Wimbledon 2024: Men's singles semi-final highlights

He is a great example as a young player that has a well balanced life on and off the court. He has great values in his family and a lot of charisma," said Djokovic, who will be playing in his first final of the year on Sunday. "He is deservedly one of the greatest 21-year-olds we have seen in this sport. We will see a lot of him in the future no doubt.

He is going to win many more Grand Slams, but hopefully in two days not this one."

## Alcaraz is a complete player

Djokovic pointed out to the fact Alcaraz had already beaten him at Wimbledon last year and is expecting the same energy from the Spaniard this time around. The Serbian hailed the Spaniard as the complete player and said it would take his best ability to beat him in the final. "He has already beaten me here in a thrilling five-setter. I don't expect anything less than that (on Sunday)," said Djokovic. "He is complete as a player as they come. It is going to take my best ability to beat him." Alcaraz and Djokovic will lock horns in the final on July 14. If the Serbian does win the match on Sunday, then he would go level with Roger Federer for most titles at Wimbledon.

## Manchester United's Jadon Sancho ends Erik ten Hag feud, returns to 1st team training

**New Delhi.** Jadon Sancho has returned to training with Manchester United for the first time in 10 months, following a reconciliation with manager Erik ten Hag. The winger and Ten Hag had a productive meeting at the Carrington Training Centre, where they resolved their differences after a public fallout last year. Sancho, 24, made only three appearances for United last season and spent the latter half on loan at Borussia Dortmund due to his strained relationship with Ten Hag. The tension began in September when Ten Hag excluded Sancho from the squad for a 3-1 defeat to Arsenal, citing poor training performances. In response, Sancho accused Ten Hag on social media of making him a "scapegoat," leading to his exile from the first team and subsequent training with the youth squad. United would make a social media post to show that Sancho had indeed returned to training with the first team as they slowly start their pre-season ahead of the new campaign. Sancho was also seen having a chat with Marcus Rashford during training as both men were involved in training on Friday, July 12. In January, Sancho returned to Dortmund, where he excelled, notably during their Champions League semi-final win against Paris St Germain. His performance earned praise from Ten Hag despite Dortmund's eventual defeat to Real Madrid in the final. "(Sancho) is a very good player... he showed why Manchester United bought him and he showed he represents a high value for Manchester United, which is good." Ten Hag told reporters following Dortmund's 1-0 win over PSG in the first leg. "I'm happy for Jadon, for the performance, and we'll see what is going to happen in the future."

## 'Workhorse' Avesh Khan wants Test debut for India: I'm waiting for that chance

**New Delhi.** India fast bowler Avesh Khan wants to play Test cricket for India. Speaking ahead of the 4th T20I against Zimbabwe, Avesh has given an open message to the Indian selectors that he is ready for red-ball cricket. Avesh's request comes right ahead of India's home Test season against Bangladesh and New Zealand before they fly out to Australia for the Border-Gavaskar Trophy, one of the most high-profile bilateral series in the world. Speaking via a Board of Control for Cricket in India video, Avesh has said that he has executed the red-ball role before in the domestic set up and has the ability to replicate that on the international stage as well. "I'm very excited for Test cricket as I feel it's a format where I can prove myself which I've done for my state team, India A or while Duleep, Deodhar trophy. I'm waiting for that chance as there's a different kind of fun playing Test cricket. I love to bowl with the red ball as I bowl around 20-25 overs in a day for my state team as well. In the entire season I bowl around 300-350 overs so I'm looking forward for a chance to play Test cricket and do well for my country in the longest format," Avesh Khan said ahead of the penultimate match of the Zimbabwe series.

## ZIM vs IND 4th T20I: Preview

Avesh has bowled well in the series without the guidance of Jasprit Bumrah, who has been rested for the series. Speaking about the Indian spearhead, Avesh said that Bumrah was a once-in-a-generation bowler and the best thing about working with the pacer was that he was willing to share his knowledge.

## ZIM vs IND, 4th T20I: Team news, Harare pitch conditions and predicted playing XI

**ZIM vs IND, 4th T20I: India will aim to take an unassailable lead in the fourth T20I match of the series. Shubman Gill will hope to bag his first series win after staging a strong comeback with the Indian side.**

**New Delhi.** Shubman Gill will be hunting his first series win as the captain of the Indian team when they take the field against Zimbabwe on Saturday, 13 July. The young Indian team have made a strong comeback in the series after their initial hiccup in the first T20I. The side will be looking to win a clean game on Saturday. Their batting lineup has done really well in the last two matches, but the bowling attack has sprayed runs in different phases of the game. As a captain, Shubman will hope that his side stands up and delivers a knockout punch against Sikandar Raza's team, who have

tried their best to hurt in the bilateral series. India have not played the same team in their 3 T20Is so far. Changes can be expected as Shubman Gill has already spoken about rotating his fast bowlers. It is expected that Mukesh Kumar will come into the playing XI, either in place of Khaleel Ahmed or Avesh Khan. One of the things that India might do is to drop Shubman Gill to No. 3. One can definitely argue that having Abhishek Sharma and Yashasvi Jaiswal at the top of the batting order is a win-win situation for India. The duo are ultra-aggressive and have the ability to take the game away from the opposition team. In case they fail, Rituraj Gaikwad and Shubman Gill can always get to their anchoring roles and take India to a safe score. It looked a little sore when Abhishek came out to bat at No. 3 in the previous match and was not effective at all. For Abhishek to be a big part of India's future, the youngster needs to be given a chance at the position that he has succeeded in.

## ZIM vs IND: Team News

Zimbabwe are unlikely to make big changes



## ZIM vs IND: PITCH AND WEATHER CONDITIONS?

India players have vouched throughout that the pitch is double paced. Shubman Gill, speaking after his innings in the 3rd T20I, said that it was difficult to play against the new ball but once the pitch settled in, a lot of runs were on the wicket against the old ball.

## ZIM vs IND, 4TH T20I: PREDICTED PLAYING XI

India Playing XI  
Abhishek Sharma, Shubman Gill (c), Yashasvi Jaiswal, Rituraj Gaikwad, Shivam Dube, Sanju Samson (wk), Rinku Singh, Washington Sundar, Ravi Bishnoi, Avesh Khan/Mukesh Kumar, Khaleel Ahmed.

## Zimbabwe Playing XI

Wessly Madhevere, Tadiwanashe Marumani/Innocent Kaia, Brian Bennett, Sikandar Raza (c), Dion Myers, Johnathan Campbell, Clive Madande (wk), Wellington Masakadza, Richard Ngarava, Blessing Muzarabani, Tendai Chatara.

## On this day in 2002, Sourav Ganguly took off shirt to celebrate NatWest final win

**New Delhi.** It has been two decades since Sourav Ganguly pulled off the iconic celebration to mark India's triumph at the NatWest Final in 2002. Today, we celebrate the heroes who made it possible. From Ganguly's captaincy to Rahul Dravid's composure and the heroics of Yuvraj Singh, Mohammed Kaif and Harbhajan Singh. The victory at Lord's marked a significant milestone in Indian cricket, showcasing the team's growing confidence and ability to perform under pressure. The win was a tribute to Ganguly's leadership and the team's collective effort. The triumph in the NatWest Final in 2002 remains one of India's most memorable victories in international cricket, and Ganguly's celebration continues to inspire generations of cricket fans. On July 13, 2002, India pulled off a stunning 2-wicket victory in the NatWest Series final against England at Lord's Cricket Ground. Chasing a daunting target of 326, Indian openers Ganguly and Virender Sehwag provided a solid foundation with a 102-run stand. However, wickets tumbled thereafter, leaving India in a precarious position at 146/5. However, a brilliant partnership between Yuvraj Singh and Mohammad Kaif turned the tide in India's favour. The duo added 121 runs, with Yuvraj scoring a majestic 69 and Kaif remaining unbeaten on 87. The drama continued as wickets fell at regular intervals. Needing 12 runs from the last 4 overs, the tension was palpable. Harbhajan Singh's 15 off just 8 balls brought India within touching distance. With 2 runs needed off the final ball, Rahul Dravid, the epitome of calmness, nudged the ball past the fielder, sending the Indian dressing room and a sizeable Indian contingent in the crowd into a frenzy. Ganguly's shirt-waving celebration was more than just a spontaneous expression of joy. It was a statement of defiance, a response to the criticism and scepticism India faced during the series.

## 22 years to the iconic celebration

Sourav Ganguly, the Indian captain who had marshalled his troops brilliantly throughout the tournament, became the symbol of India's victory. In a moment that captured the nation's imagination, he took off his jersey and waved it in defiance at the Lord's balcony, a gesture that reverberated across India. This act signified India's newfound aggression and self-belief.

The 2002 NatWest Trophy win was more than just a victory; it was a watershed moment for Indian cricket. It marked the arrival of a new, aggressive India, one that wouldn't be cowed by tradition or reputation. The team, under Ganguly's leadership, ushered in a new era of dominance in world cricket.

## Wimbledon 2024 Final: Paolini, Krejcikova aim for first win at All England

**New Delhi.** Jasmine Paolini and Barbora Krejcikova will be stepping out on Centre Court on Saturday, July 13 with the aim of winning their first-ever Wimbledon title. For Paolini, 2024 has been a breakout year as she has had incredible runs at all three grand slams so far. It all started with a run till the 4th round in the Australian Open and it has now been followed up with two final appearances.

While she faced a reality check at Roland Garros at the hands of Iga Swiatek, the Italian is showing that she isn't a one-trick wonder. During her semi-final marathon against Donna Vekic, the 28-year-old was forced to fend off the brute force from the Croatian and then secure a comeback win after going down in the first set. The next two saw Paolini show off her fine skills and resilience to reach her second consecutive final. The same spirit was shown by



Krejcikova as well, as she had to fightback from a set down against Elena Rybakina. The Czech Republic star was loud during the match as she brought the crowd on its feet with her shots and spirit on the day.

Krejcikova has some experience winning Grand Slams before as she won the French Open in singles and all four of the majors in doubles. For Paolini, it is all about a 'dream' she saw as a kid to win a grand slam and she will have to overcome the determined

## Czech star to take the title.

## WIMBLEDON WOMEN'S SINGLES FINAL SCHEDULE: WHEN AND WHERE TO WATCH

The final between Jasmine Paolini and Barbora Krejcikova will get underway from 2 pm local time and 6:30 pm IST on the Centre Court. Star Sports will provide the live television coverage of the matches in India. Hotstar will provide live streaming of the matches. WIMBLEDON WOMEN'S SINGLES FINAL: Paolini vs Krejcikova Head-to-Head Both women have faced each other only once in the past, with Krejcikova taking the win in 2018 during the Australian Open qualifiers. WIMBLEDON WOMEN'S SINGLES FINAL: Prediction

Expect both women to serve up a 3-set thriller on Saturday. Given Krejcikova's experience of winning grand slams in the past, expect her to win her first Wimbledon title.

## WCL, India Champions vs Pakistan Champions: When and where to watch final

**New Delhi.** Arch-rivals India and Pakistan are set to face each other in the final of the World Championship of Legends on July 13, Saturday at Edgbaston in Birmingham. The two teams reached the final of the tournament by winning their respective semi-final clashes. India thrashed Australia by a massive margin of 86 runs and Pakistan defeated West Indies by 20 runs in their respective knockout matches. The league has reached its final frontier after 17 exciting contests as India Champions will take on Pakistan Champions in the summit clash. During India's semi-final clash against Australia, India's opener Robin Uthappa provided a great start with his 35-ball 65. Despite Suresh Raina and Ambati Rayudu falling cheaply, Yuvraj Singh shared a 47-run stand with Uthappa. Yuvraj turned back the clock with his blazing knock of 59 runs from 28 deliveries. Yusuf and Irfan Pathan's quick-fire fifties ensured



the India Champions posted a mammoth total of 254 runs against the Australia Champions. The Australians succumbed to scoreboard pressure and were restricted to 168 runs. The India Champions and Pakistan Champions met each other earlier in the tournament and the former suffered a loss by 68 runs. However, the Yuvraj Singh-led side will look to bounce back and win the league.

## Yuvraj's masterclass vs Australia

When will India Champions face Pakistan Champions in the final of the World Championship of Legends?

India Champions will play Pakistan Champions in the final of the World Championship of Legends on Saturday, 13 July. The match will start at 9 pm IST.

Which venue will host the final of the World Championship of Legends? The final of the World Championship of Legends between India Champions and Pakistan Champions will be played at Edgbaston in Birmingham.

Where to watch the India Champions vs Pakistan Champions World Championship of Legends final match on TV in India? The final of the World Championship of Legends between India Champions and Pakistan Champions will be telecast live on the Star Sports network.

Where to watch the India Champions vs Pakistan Champions World Championship of Legends final match online in India? The final of the World Championship of Legends between India Champions and Pakistan Champions will be streamed live on the FanCode app and website.

## Jhulan Goswami joins Trinbago Knight Riders as mentor ahead of women's CPL

**Jhulan Goswami joined Trinbago Knight Riders as a mentor ahead of the women's CPL. Jemimah Rodrigues and Shikha Pandey will also join the team as players. The tournament will kickstart from August 21st.**

**New Delhi.** Former India cricketer Jhulan Goswami has joined Trinbago Knight Riders

as their mentor ahead of the women's Caribbean Premier League 2024. Goswami retired from all formats of cricket in 2022 as India's leading wicket-taker in women's internationals. Her illustrious international career spanned 20 years; Goswami bagged 355 wickets across formats for India before her retirement. She is currently the bowling coach and mentor of MI in the Women's Premier League. This will be her first stint as a mentor in an overseas T20 league.

"It's an honour to join such a quality franchise," Goswami said in a statement shared by Knight Riders. "Knight Riders have done so well in India and around the world, and to join TKR Women at the WCL is a pleasure. Thanks to KKR management for thinking about me as a mentor and I'm really looking forward to this



tournament." Goswami will provide guidance to the franchise, which will be captained by all-rounder Deandra Dottin. Under her leadership, the TKR women emerged victorious in the inaugural season in 2021. The conversation about me joining TKR started with Mr. Venky Mysore (CEO of Knight Riders group)," Goswami said. "As a management head, the way he takes

care of everyone is amazing. I felt really honoured by the way both Shah Rukh Khan and Venky sir welcomed me and spoke to me when we met in Kolkata during the IPL."

Jhulan Goswami is an absolute legend of the game, and we are very happy to have her on board as the mentor of the TKR Women's team. We strongly believe that under Jhulan's mentorship, the team will reach greater heights. It's a fantastic opportunity for the youngsters to pick Jhulan's brains and learn from her experiences to become better cricketers themselves. We would like to wish her all the best, and look forward to seeing her in the TKR setup soon," Mysore said.

The Knight Riders bolstered their squad with international stars, Jemimah Rodrigues, Meg Lanning Shikha Pandey and Jess Jonassen.





# Divyanka Tripathi

## Seeks Help From Italy PM Giorgia Meloni After Robbery Incident

TV actors Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya's European trip took a dark turn when they were robbed in Florence, Italy. The couple was celebrating their eighth wedding anniversary when thieves broke into their vehicle at a resort, stole their passports, cash, cards and other valuable items. The couple are currently in contact with the Indian embassy in Italy to resolve the situation. However, the Yeh Hai Mohabbatein star expressed frustration on social media and criticised the local police for handling their robbery case lightly. In a recent X post, the actress reached out to Italian Prime Minister Giorgia Meloni, urging her to improve tourist safety. In the social media post, Divyanka wrote, "Dear PM Ms Giorgia Meloni, we were passionately touring Italy until we got robbed. Reported to the police. But robberies are being taken so casually here that we have already lost hope along with our enthusiasm. How will I & my people ever gather courage to visit Italy again?" In the separate post, she added, "Our embassy is helping us, but how about Italy taking up responsibility for the safety of the tourists. It's not only about us, but cumulatively all those who save up & spend a fortune to be here."

When Divyanka Tripathi first announced the incident, the couple was struggling with money and the two were without passports. However, recent updates suggest that their situation has improved. Divyanka and Vivek are now working on obtaining a temporary certificate, which will allow them to travel back to India. The actress, taking to her Instagram story, wrote, "Currently, our money situation is kind of sorted as we've got some help from a dear friend. We've replaced the rented car as it was thankfully insured. We'll be heading towards the embassy in another City today to get the emergency certificate sorted. Also, we have not lost everything as was reported. We have a few things left that were in the boot of the car."

Earlier, Vivek Dahiya shared their experience with Etimes and described how their day in Florence turned into a crisis. After arriving and planning a one day stay, they left their belongings in their car at a secure parking spot while checking out a property. When they returned, they found their car damaged, thieves just left behind old clothes and food, but took their valuable items. They attempted to report the crime to the local police, but they couldn't help, as the area doesn't have CCTV cameras. The police also mentioned they couldn't visit the scene and offered no help after 6 pm. They tried contacting the embassy as well, but it was already closed for the day.



## Zeenat Aman Reveals Getting Pregnant During 'Daku Hasina' Shoot: 'To Hide My Belly, The Crew...'



Legendary actress Zeenat Aman has taken to Instagram with a nostalgic post about her film 'Daku Hasina', released in 1987 and directed by Ashok Rao. The movie featured Rakesh Roshan, with a memorable cameo by superstar Rajinikanth. In her post, Aman shared captivating photos from the film's set, divulging an interesting behind-the-scenes story. She revealed that she discovered she was pregnant just as filming began. This unexpected twist prompted the crew to devise ingenious methods to conceal her baby bump throughout the shoot, adding a layer of creativity to the production. One of the images depicted Zeenat in a movie scene portraying a female dacoit. Holding a large gun, she gazed directly towards the camera. In the accompanying caption, she initiated by delving into the plot and scribed, "Daku Hasina was your classic story of vengeance. Roopa, orphaned when her parents are killed by powerful village overlords, seeks the help of infamous dacoit Mangal Singh (The iconic Rajinikanth in one of his few Bollywood cameos) to extract revenge. Under his guidance, she transforms into the ruthless Daku Hasina, and so begins her reign of terror. The police scramble to apprehend her, but ah! There is a twist in the tale. What is the relationship between SP Ranjit Saxena (played by none other than @rakesh\_roshan9) and the lady dacoit?"

Following that, Zeenat disclosed that she discovered she was pregnant during the filming period, and expressed, "This was one of the last films I did before my extended hiatus. I became pregnant early on in the shoot, and by the end of filming was well into my third trimester! My svelte figure had naturally ballooned, so to hide my belly the crew came up with various creative shots. Some of these involved me riding a horse, which brought its own concerns. I had had a scare on horseback during a previous shoot, when the poor animal had bolted because of the artificial rain and blaring speakers on set. I wasn't nervous about my own safety, but the safety of the child in my womb was of utmost importance. Luckily, we were able to shoot these scenes without any incident."

## Trailer Of Thaanara, Starring Shine Tom Chacko And Deepti Sati, Promises A Fun Ride



Shine The Tom Chacko, Deepti Sati, and Aju Varghese starrer comedy film Thaanara has been making headlines for a long time. Viewers were eagerly waiting for more updates. Recently, the makers have surprised the viewers and dropped their much-awaited trailer. The trailer gives glimpses of some funny sequences from the film, along with a team number. The video was released yesterday and has until now garnered 61,604 views on YouTube. This upcoming film is directed by Haridas and written by Raffi. The project is backed by Biju V. Mathai.

Thaanara also stars Chinnu Chandni Nair, Angel Shijoy, Vishnu Unnikrishnan, and Sneha Babu in the supporting roles. As per the latest reports, the film is all set to hit theatres on August 9. After the trailer release, the audience is currently waiting for the film with great anticipation as the trailer entertains the audience with interesting scenes. One of the users commented, "Shine Tom Chacko being Shine Tom Chacko in every movie... loading." Another one added, "Old days are coming back..." "Waiting," commented the third user. The music for the film is composed by Gopi Sundar, while the lyrics are penned by B. K. Harinarayanan. The cinematography is handled by Vishnu Narayanan. Meanwhile, on the work front, Shine Tom Chacko was last seen in the Malayalam-language romantic comedy film Little Hearts. The film is directed by Aby Tresa Paul and Anto Jose Pereira, written by Rajesh Pinnadan, and produced by Sandra Thomas Productions. The film features Shane Nigam and Mahima Nambiar in the lead roles. The soundtrack and background score were composed by Kailas Menon, while the cinematography and editing were handled by Luke Jose and Noufal Abdullah.

# Madhuri Dixit

## Net Worth: A Look At Dhak Dhak Girl's Car Collection, Fee And Property

Madhuri Dixit is one of the most popular actresses in the film industry. She has had a strong presence in Bollywood since the 1980s. She is known for her impeccable acting skills. Apart from that, she is also known for her dance numbers, which have garnered her a massive fan base in India. After being the top actress for more than a decade, Madhuri took a sabbatical from films after her marriage. Thereafter, years later, she made a comeback in films as well. Over the years, the actress has amassed immense wealth and has been living a luxurious life. Today, let's take a look at her net worth, properties, fee and car collection.

Madhuri Dixit started out in the 1980s and went on to become the leading actress in the 1990s. She has been a part of some of the biggest films and has acted alongside many superstars. Even after making a comeback to films, she also held a strong position in the television world by judging various dance reality shows. Her cumulative wealth is reportedly Rs 250 crore. It has been reported that she charges a fee of Rs 4 to 5 crore per film. Her involvement in reality shows brings her an impressive Rs 10 to 20 crore for a single season, according to reports.



Madhuri has also been active in the advertising and brand collaboration worlds as well. It has been found that she receives an astounding Rs 8 crore from such ventures. Madhuri's philanthropic inclinations shine brightly amid such significant net worth and earnings. She has exhibited her selflessness by adopting a village in Maharashtra. In terms of her properties, Madhuri Dixit has a lavish abode situated in Lokhandwala in Andheri West, Mumbai. The property has all the luxurious amenities. She also owns a lush apartment in Worli that has many popular film stars and sportspeople in her neighbourhood. The popular actress also has an extraordinary car collection. This includes a Mercedes-Maybach S560, a Range Rover Vogue, and more. Her latest addition to her car collection includes a Porsche 911 Turbo S that costs around Rs 3.08 crore.

